NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 274 लखनऊ, शनिवार 30 मई 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में भारत-पाकिस्तान सीमा पर जी-7 चौकी का उद्घाटन

एजेंसी।
दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में भारत–पाकिस्तान सीमा पर जी–7 चौकी का उद्घाटन किया, जिसका मुख्य उद्देश्य संवेदनशील हरमी नाला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने तकनीकी चुनौतियों के बावजूद सुरक्षा ग्रिड को सुदृढ़ करने में सरकार की सफलता पर जोर दिया, जो इस रणनीतिक सीमा क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को गुजरात के भुज में भारत–पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर स्थित बॉर्डर आउटपोस्ट जी–7 का उद्घाटन किया और संवेदनशील हरामी नाला क्षेत्र में सुरक्षा ग्रिड को प्रमुख तकनीकी चुनौतियों के बावजूद काफी मजबूत बताया। अपनी यात्रा के दौरान, शाह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से बातचीत की और नीम का पौधा लगाया। उद्घाटन समारोह में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री

हर्ष संघवी उपस्थित थे।इस कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा कि जी–7 सुविधा का निर्माण क्षेत्र में सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों के तहत लगभग 175 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था। उन्होंने कहा कि यहां से कुछ किलोमीटर दूर, बनासकांठा में, एक केंद्र स्थापित किया गया था ताकि जनता को आप सभी द्वारा किए जाने वाले कर्तव्यों से अवगत कराया जा सके। इस केंद्र का निर्माण लगभग 175 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था३ आज जी–7 और जी–13 परियोजनाओं का लोकार्पण हो रहा है। जब मैंने देश के गृह मंत्री के रूप में पदभार संभाला, तो बीएसएफ के साथ अपनी पहली समीक्षा बैठक के दौरान यह पाया गया कि सुरक्षा की दृष्टि से हरामी नाला असुरक्षित प्रतीत होता है।शाह ने तकनीकी और भौगोलिक कठिनाइयों के बावजूद एक मजबूत सुरक्षा नेटवर्क स्थापित करने में सरकार की क्रमिक सफलता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमने इस पूरे क्षेत्र में एक मजबूत सुरक्षा जाल स्थापित करने में धीरे–धीरे सफलता प्राप्त की है। मैं उन विशाल तकनीकी चुनौतियों से भलीभांति अवगत हूं जिन्हें वर्तमान में हमारे सामने खड़े टावरों के निर्माण के लिए पार करना पड़ा३ सीमा चौकियों के आसपास के पूरे क्षेत्र को जमीन से लगभग 3.75 मीटर ऊपर उठाया गया है३ लगातार तीन महीनों तक, मैंने व्यक्तिगत रूप से प्रतिदिन प्रगति की निगरानी की, यह सुनिश्चित करते हुए कि सर्वेक्षण कार्य बाधित न हो। गृह मंत्री अमित शाह विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने और विकास एवं सुरक्षा परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में अहमदाबाद नगर निगम द्वारा न्यू वडाज सर्कल के पास स्थापित श्भारत माता प्रतिमाश का अनावरण किया। अनावरण के अवसर पर अमित शाह ने प्रतिमा को श्रद्धापूर्वक प्रणाम किया, जबकि उपस्थित लोगों ने भारत माता की प्रशंसा में नारे लगाए। लगभग 18 फुट ऊंची यह प्रतिमा अहमदाबाद के पश्चिमी जोन में न्यू वडाज सर्कल के पास स्थित है।

चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने अर्पित की श्रद्धांजलि, किसानों के हितों को बताया विकास का आधार

संवाददाता।
लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को विधान भवन परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा के सम्मुख चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने चौधरी चरण सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व को स्मरण करते हुए उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा तथा भारत माता का महान सपूत बताया।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश के पूर्व प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की पावन पुण्यतिथि है। उन्होंने कहा कि 29 मई, 1987 को चौधरी चरण सिंह अपनी नश्वर काया का त्याग कर दिवंगत हुए थे, लेकिन किसानों, गांवों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की उनकी सोच आज भी देश और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 23 दिसम्बर, 1902 को उत्तर प्रदेश की धरती पर जन्मे चौधरी चरण सिंह ने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए देश के लिए अमूल्य योगदान दिया था।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने कृषि और राजस्व क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण सुधार किए, जिसका लाभ देश के किसानों को लंबे समय तक मिला। उनका स्पष्ट मत था कि देश के विकास का रास्ता गांवों और खेत–खलिहानों से होकर जाता है। इसलिए किसान केवल विकास की प्रक्रिया का हिस्सा ही नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं के केंद्र में होने चाहिए। शासन की योजनाएं किसानों की आवश्यकताओं और हितों को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए, ताकि ग्रामीण भारत आत्मनिर्भर और समृद्ध बन सके।मुख्यमंत्री ने कहा कि देशहित और किसान कल्याण के लिए चौधरी चरण सिंह द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों को

ध्यान में रखते हुए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार चौधरी चरण सिंह की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने और किसानों के हितों को आगे बढ़ाने के लिए अनेक योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। इसी क्रम में लखनऊ में प्रस्तावित चौधरी चरण सिंह सीड पार्क एक महत्वपूर्ण पहल है, जो कृषि क्षेत्र में नवाचार और किसानों की प्रगति के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।इस अवसर पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री के.पी. मलिक, सांसद बृजलाल, विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल, श्रीराम चन्द्र प्रधान, उमेश द्विवेदी, विधायक नीरज बोरा, अमरेश कुमार तथा लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विजयन ने ईडी की कार्रवाई पर कांग्रेस के संकीर्ण रुख की कड़ी आलोचना

एजेंसी
दिल्ली। पिनारयी विजयन ने ईडी की कार्रवाई पर कांग्रेस के संकीर्ण रुख की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल तभी विरोध करती है जब उसके अपने नेताओं को निशाना बनाया जाता है, जबकि भाजपा केंद्र में आने के बाद से विपक्षी दलों के खिलाफ ईडी का दुरुपयोग कर रही है। विजयन ने भाजपा की ऐसी गतिविधियों के खिलाफ व्यापक विपक्षी एकता की आवश्यकता पर बल दिया। केरलम के पूर्व मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने शुक्रवार को भाजपा विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर कांग्रेस पर संकीर्ण सोच रखने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा तभी आपत्ति जताती है जब उसके अपने नेताओं को निशाना बनाया जाता है। विजयन ने अपने आवासों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तलाशी के बारे में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जब से भाजपा केंद्र में सत्ता में आई है, तब से वह अपने विरोधी दलों के प्रति कड़ा रुख अपना रही है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि इसके तहत, यह कई विपक्षी दलों और उनके नेताओं के खिलाफ पक्षपातपूर्ण तरीके से ईडी का इस्तेमाल करता है। हालांकि, कांग्रेस इसका विरोध तभी करती है जब उसके अपने नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन की इस मुद्दे पर चुप्पी के बारे में पूछे जाने पर विजयन ने कहा कि यह सवाल केरल के मुख्यमंत्री से पूछा जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मामले में कांग्रेस लगातार पूछती रही कि उन्हें गिरफ्तार या उनके खिलाफ मामला दर्ज क्यों नहीं

किया जा रहा है, और जब उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ तो उन्होंने जश्न मनाया। मार्क्सवादी नेता ने कहा कि हाल ही में उनके आवासों पर हुई तलाशी के बाद तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केजरीवाल ने भी ईडी की कार्रवाई की निंदा की और कांग्रेस के रुख की आलोचना की। विजयन ने कहा कि लेकिन इन सब के बावजूद कांग्रेस के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा की ऐसी हरकतों के खिलाफ हम सभी को एकजुट होने की जरूरत है, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व इस मामले में संकीर्ण सोच अपना रहा है। ईडी की कार्रवाई के संबंध में उन्होंने कहा कि एजेंसी ने उनकी बेटी वीना टी का एक खाता बंद कर दिया है और उनसे पूछताछ नहीं की गई, हालांकि तलाशी के दौरान वे वहां मौजूद थे। राज्य की राजधानी में उनके किराए के घर पर तलाशी के बाद ईडी अधिकारियों पर हुए हिंसक हमले के बारे में विजयन ने कहा कि सीपीआई (एम) नेताओं ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए थे कि विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे और यह सभी को दिखाई दे रहा था।

यज्ञ रोका तो रावण-कंस जैसा हश्र तय, मऊ में बोले सीएम योगी, यूपी में बेटियां-व्यापारी अब सुरक्षित

संवाददाता।
लखनऊ/मऊ में योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर माफिया को संरक्षण देने और कल्याणकारी योजनाओं में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों में बाधा डालने वालों का हश्र रावण–कंस जैसा होगा, जो राज्य में कानून–व्यवस्था पर भाजपा सरकार की दृढ़ता को दर्शाता है। यह बयान चुनावी माहौल में राजनीतिक विरोधियों पर सीधा हमला है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए पिछली सरकार पर माफिया तत्वों को संरक्षण देने, कल्याणकारी योजनाओं को रोकने और राज्य भर में अराजकता को पनपने देने का आरोप लगाया। मऊ के मधुबन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने राज्य के सुरक्षा माहौल में सुधार किया है और यह सुनिश्चित किया है कि जन कल्याणकारी योजनाएं गरीबों तक पहुंचें।योगी ने कहा कि पिछली सरकार माफिया के आगे झुक गई थी। चारों ओर अराजकता और अव्यवस्था फैली हुई थी। अब मैं कह सकता हूँ कि आज किसी भी माफिया या गुंडे में किसी भी त्योहार के दौरान गड़बड़ी पैदा करने की हिम्मत नहीं है। अगर कोई भी धार्मिक आयोजन में बाधा डालता है, तो त्योहार तो मनाया जाएगा, लेकिन उसका अंजाम रावण और कंस की तरह ही तय होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं, गुंडे उन्हें परेशान करते थे। अपहरण कभी भी हो सकते थे। व्यापारियों को सूर्यास्त से पहले दुकानें बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ता था। अगर परिवार का कोई सदस्य सूर्यास्त के बाद घर नहीं पहुंचता था, तो परिवार को चिंता सताने लगती थी कि कहीं उनका क्या न हो जाए।योगी ने कहा कि उस दंगे जैसे माहौल में, अराजकता से भरे वातावरण में, यहां के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। राज्य में नौकरियां नहीं थीं। लेकिन जब वे राज्य से बाहर जाते थे, तो उत्तर प्रदेश का

नाम सुनते ही लोग दस कदम पीछे हट जाते थे। योगी ने कहा– पहले गरीबों के लिए कोई सुविधा नहीं थी। आपने 2014 में देश की बागडोर नरेंद्र मोदी को सौंपी। पिछले 12 वर्षों में आपने भारत को बदलते देखा है। मोदी जी कहते हैं कि हमारे लिए केवल चार जातियाँ हैं।उन्होंने कहा कि एक जाति गरीबों की, एक युवाओं की, एक महिलाओं की और एक किसान की जो हमें भोजन देता है। अगर आपको याद हो, तो इन चारों में सभी शामिल हैं। अगर इन चारों का उत्थान हो जाए, तो देश चलने लगेगा। मोदी जी दिल्ली में योजनाएँ बनाते थे, लेकिन 2014 से 2017 तक उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार ने उन्हें राज्य में लागू नहीं होने दिया। सपा ने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। सपा सरकार माफिया के सामने गिड़गिड़ाती थी। वे पसीना बहाते थे, माफिया के सामने बोल तक नहीं पाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग आज उपदेश दे रहे हैं, उनसे पूछा जाना चाहिए कि गरीबों को दिए गए 65 लाख मकान सपा सरकार के समय क्यों नहीं दिए गए। सपा चार बार सत्ता में रही, तब शौचालय क्यों नहीं बनाए गए? कांग्रेस ने 50 साल तक शासन किया, उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया?

केजरीवाल ने दिल्ली सीएम पर कसा तंज, मुफ्त यात्रा पर श्रेय की होड़

दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने NEET 2026 उम्मीदवारों के लिए दिल्ली सरकार की मुफ्त बस यात्रा पहल पर दिल्ली के मुख्यमंत्री पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि पंजाब सरकार के बाद अब दिल्ली सरकार ने भी छम्म्ज छात्रों के लिए बसें मुफ्त कर दी हैं, जबकि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 21 जून को क्ज्ब बसों में मुफ्त यात्रा का ऐलान किया था। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब सरकार के बाद दिल्ली सरकार ने भी छम्म्ज 2026 के उम्मीदवारों के लिए मुफ्त बस यात्रा प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस टिप्पणी को छम्म्ज–न्ळ परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री पर एक अप्रत्यक्ष कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है। ग पर केजरीवाल ने लिखा कि पंजाब सरकार के बाद अब दिल्ली सरकार ने भी छम्म्ज छात्रों के लिए बसें मुफ्त कर दी हैं।इसी बीच, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा

गुप्ता ने छम्म्ज उम्मीदवारों के लिए सभी क्ज्ब बसों में मुफ्त यात्रा की घोषणा की। ग को मुख्यमंत्री ने लिखा कि 21 जून को छम्म्ज (न्ळ) 2026 परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों के समर्थन में, दिल्ली सरकार वैध एडमिट कार्ड दिखाने पर सभी क्ज्ब बसों में मुफ्त यात्रा प्रदान करेगी। किसी भी छात्र को ऐसे दिन असुविधा नहीं होनी चाहिए जो उनके भविष्य के लिए इतना महत्वपूर्ण है। सभी छम्म्ज उम्मीदवारों को मेरी शुभकामनाएं। उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प उन्हें सफलता दिलाए।इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार छम्म्ज परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए बस किराया माफ करेगी, जिससे वे 20, 21 और 22 जून को पंजाब रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। फेसबुक पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री मान ने कहा कि छम्म्ज की तैयारी कर रहे कई छात्र आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं और अक्सर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए यात्रा खर्च जुटाने में भी उन्हें कठिनाई होती है। मुख्यमंत्री मान ने फेसबुक पर लिखा कि कई गरीब छात्र छम्म्ज परीक्षा देते हैं। उनके पास परीक्षा केंद्र तक जाने के लिए किराया भी नहीं होता। जब केजरीवाल ने हाल ही में छम्म्ज के छात्रों से बात की, तो उन्होंने मदद की गुहार लगाई। छम्म्ज परीक्षा 21 जून को है। इसलिए, पंजाब सरकार ने छम्म्ज परीक्षा में बैठने वाले सभी छात्रों के लिए 20, 21 और 22 जून को पंजाब रोडवेज की सभी बसों का किराया माफ करने का फैसला किया है। अपना एडमिट कार्ड दिखाएं, आपको टिकट का शुल्क नहीं देना होगा।

सम्राट चौधरी ने बक्सर स्थित रामरेखा घाट पर मल्टीमीडिया, 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग, डायनेमिक लाइटिंग शो का उद्घाटन किया

एजेंसी।
बिहार पटना। परियोजना के बारे में बोलते हुए, बेसिल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमोडोर डी. के. मुरली (सेवानिवृत्त) ने कहा, "यह परियोजना नवीन एवं तकनीक–आधारित समाधानों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के प्रति बेसिल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।यह परियोजना भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत 'असिस्टेंस टू सेंट्रल एजेंसिज फॉर टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट' योजना के अंतर्गत विकसित की गई है तथा इसका क्रियान्वयन सूचना एवं प्रसारण

मंत्रालय के अंतर्गत मिनी रत्न सीपीएसई बेसिल द्वारा किया गया है।बेसिल की यह परियोजना आधुनिक तकनीक और सांस्कृतिक प्रस्तुति का समन्वय करते हुए रामरेखा घाट की समृद्ध विरासत एवं आध्यात्मिक महत्व को प्रदर्शित करती है, साथ ही क्षेत्र में पर्यटन और पर्यटकों के अनुभव को और अधिक समृद्ध बनाने का कार्य करती है। यह परियोजना बिहार की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने तथा नवाचारपूर्ण एवं विश्वस्तरीय अवसंरचना के माध्यम से पर्यटन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।परियोजना के बारे में बोलते हुए, बेसिल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमोडोर डी.के. मुरली (सेवानिवृत्त) ने कहा, "यह परियोजना नवीन एवं तकनीक–आधारित समाधानों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के प्रति बेसिल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। रामरेखा घाट पर यह पहल पर्यटन अवसंरचना को सुदृढ़ करने के साथ–साथ बिहार की कालजयी विरासत को आधुनिक एवं आकर्षक रूप में प्रस्तुत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भीषण गर्मी और बढ़ी बिजली मांग के बीच ऊर्जा विभाग की बड़ी पहल, बिजली कर्मियों के तबादले 15 जुलाई तक बढ़ाने का प्रस्ताव

संवाददाता। लखनऊ प्रदेश में भीषण गर्मी और लगातार बढ़ती बिजली मांग के बीच उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के उद्देश्य से अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण की अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। कारपोरेशन ने वार्षिक स्थानांतरण नीति 2026–27 के अंतर्गत तबादलों की अंतिम तिथि को 31 मई से बढ़ाकर 15 जुलाई 2026 तक करने का अनुरोध किया है, ताकि वर्तमान परिस्थितियों में बिजली व्यवस्था प्रभावित न हो और उपभोक्ताओं को सुचारु आपूर्ति मिलती रहे।उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नितीश कुमार द्वारा 26 मई 2026 को विशेष सचिव, ऊर्जा अनुभाग–2, उत्तर प्रदेश शासन को भेजे गए पत्र में कहा गया है

मऊसे मुख्यमंत्री की माफिया को दो टूक चेतावनी, कहा- त्योहारों में व्यवधान डालने वालों की होगी रावण-कंस जैसी दुर्गति

मऊध्लखनऊ(आरएनएस) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मऊ की धरती से माफिया, गुंडों और अराजक तत्वों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अब किसी में इतना दुस्साहस नहीं बचा है कि धार्मिक आयोजनों या त्योहारों में व्यवधान डाल सके। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि किसी ने रामलीला, यज्ञ–कथा, जन्माष्टमी, रामनवमी, शिवरात्रि, रक्षाबंधन जैसे धार्मिक आयोजनों में बाधा डालने का प्रयास किया, तो उसकी दुर्गति रावण और कंस जैसी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बेटी और व्यापारी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों का इंतजार अब केवल यमराज करेंगे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को मऊ के गांधी मैदान में 392 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 114 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने मऊ को क्रांतिधरा बताते हुए साहित्यकार श्याम नारायण पांडेय, समाज सुधारक स्वामी सहजानंद सरस्वती, पूर्व केंद्रीय मंत्री कल्पनाथ राय, पूर्व राज्यपाल फागू चौहान तथा भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को नमन किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अच्छी सरकार विकास लेकर आती है और विकास किसी जाति, धर्म या वर्ग के आधार पर भेदभाव नहीं करता। सड़क, पुल, स्वास्थ्य केंद्र और बाढ़ सुरक्षा परियोजनाएं सभी नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का माध्यम बनती हैं। उन्होंने कहा कि जब अच्छे लोग चुने जाते हैं तो अच्छी सरकार बनती है, लेकिन गलत लोगों के चयन से सुरक्षा में सेंध लगती है, विकास का धन लूट का शिकार होता है और बेटियों तथा व्यापारियों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है।योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय धार्मिक आयोजनों में व्यवधान डाला जाता था और माफिया का बोलबाला था। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में भरत–मिलाप कार्यक्रम के दौरान मऊ में दंगा कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई थी। सत्ता संरक्षण में माफिया रामलीला जैसे आयोजनों में बाधा डालते थे और निर्दोष लोगों की जान जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय सरकारें माफिया के सामने नतमस्तक थीं और प्रदेश की कानून व्यवस्था चरमरा गई थी।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 12 वर्षों में व्यापक परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब, युवा, महिला और किसान को विकास की चार सबसे बड़ी शक्ति मानते हैं और इन्हीं वर्गों के उत्थान से देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2014 से 2017 के बीच उत्तर प्रदेश की तत्कालीन सरकार ने केंद्र सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं को लागू नहीं होने दिया।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज प्रदेश में 65 लाख गरीबों को आवास, करोड़ों परिवारों को शौचालय और करोड़ों लोगों को निःशुल्क राशन की सुविधा मिल रही है। आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री जनआरोग्य योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि किसान परिवारों को संकट की घड़ी में त्वरित आर्थिक सहायता दी जा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास का अभियान बिना रुके, बिना झुके और बिना थके जारी है। सड़क, पुल, बिजली, पेयजल, पर्यटन, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में लगातार काम हो रहा है। प्रदेश में अब ऐसा माहौल बन चुका है कि व्यापारी सूर्यास्त के बाद भी निडर होकर कारोबार कर रहे हैं और बेटियां रात्रि पाली में भी सुरक्षित होकर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अब कोई गरीब की जमीन पर कब्जा नहीं कर सकता, क्योंकि अवैध कब्जे करने वालों के विरुद्ध बुलडोजर कार्रवाई की जाती है।मऊ से अपने भावनात्मक जुड़ाव का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वे सांसद थे, तब भी मऊ की समस्याओं और संघर्ष में साथ खड़े रहते थे। उन्होंने कहा कि आज मऊ से गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी और प्रयागराज की दूरी बेहतर सड़कों और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के कारण काफी कम हो गई है। सरयू नदी की बाढ़ से बचाव के लिए भी सरकार लगातार कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री ने घोसी चीनी मिल के विस्तारीकरण के लिए प्रस्ताव भेजने को कहा और भरोसा दिलाया कि प्रस्ताव मिलते ही सरकार आवश्यक धन उपलब्ध कराएगी। उन्होंने बताया कि मऊ में सार्वजनिक–निजी सहभागिता मॉडल पर मेडिकल कॉलेज भी तैयार हो रहा है, जिसका जल्द उद्घाटन किया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने भीषण गर्मी, लू, आंधी और आकाशीय बिजली से बचाव की अपील भी की। उन्होंने नागरिकों से पर्याप्त पानी पीने और खराब मौसम में सावधानी बरतने को कहा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मऊ में लगभग 392 करोड़ रुपये लागत की कुल 114 विकास परियोजनाओं पर कार्य हो रहा है, जिनमें सड़क, पुल–पुलिया, ग्रामीण पेयजल, पुलिस अवस्थापना, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और नगर विकास से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना को मिली बड़ी मजबूती, उप मुख्यमंत्री ने 192.15 करोड़ रुपये की स्वी×ति दी

लखनऊ(आरएनएस) उत्तर प्रदेश में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहन देने तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का विस्तार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के तहत वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए कुल 192 करोड़ 15 लाख रुपये की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह निर्णय प्रदेश में लघु खाद्य उद्योगों को नई गति देने के साथ–साथ स्थानीय उद्यमिता को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।उप मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृत धनराशि का वितरण विभिन्न अनुदान मदों के अंतर्गत पारदर्शी एवं वर्गवार तरीके से सुनिश्चित किया गया है। स्वीकृत बजट में अनुदान संख्या–10 के अंतर्गत 167 करोड़ 55 लाख रुपये, अनुदान संख्या–81 के अंतर्गत 2 करोड़ 52 लाख रुपये तथा अनुदान संख्या–83 के अंतर्गत 22 करोड़ 8 लाख रुपये सम्मिलित हैं। इस प्रकार कुल 192 करोड़ 15 लाख रुपये की राशि योजना के प्रभावी संचालन और लाभार्थियों तक सहायता पहुंचाने के लिए स्वीकृत की गई है।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि यह योजना विशेष रूप से सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति के उन लाभार्थियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी, जो खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नया उद्यम स्थापित करना चाहते हैं अथवा अपने वर्तमान व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं। सरकार की यह पहल स्वरोजगार को बढ़ावा देने के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगी।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत जारी की गई यह धनराशि स्थानीय उत्पादकों, स्वयं सहायता समूहों और छोटे उद्यमियों को 'स्थानीय के लिए स्वर' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा को मजबूत करने में सहायता देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत अनुदान की राशि बिना किसी बाधा और पूरी पारदर्शिता के साथ सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे, जिससे योजना का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो सके।उन्होंने कहा कि इस धनराशि का उपयोग सूक्ष्म खाद्य इकाइयों के आधुनिकीकरण, तकनीकी सहयोग, कौशल प्रशिक्षण, उन्नत पैकेजिंग तथा विपणन सहायता उपलब्ध कराने में किया जाएगा। इससे कृषि उत्पादों की बर्बादी को कम करने में मदद मिलेगी, किसानों की आय में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा तथा स्थानीय स्तर पर व्यापक रोजगार सृजन को बल मिलेगा।उप मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग गुणवत्ता, पारदर्शिता और निर्धारित समय–सीमा के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए, ताकि वित्तीय वर्ष 2026–27 के लक्ष्यों को समय से प्राप्त कर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के विकास को नई ऊंचाई दी जा सके।

समाजवादी पार्टी मुख्यालय में चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि, किसानों के हितों के लिए संघर्ष को किया याद

लखनऊ(आरएनएस) समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में शुक्रवार को भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसानों के मसीहा स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ओर से पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी ने चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। वहीं प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने भी उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।श्रद्धांजलि सभा के दौरान अखिलेश यादव के विचारों को साझा करते हुए कहा गया कि चौधरी चरण सिंह का सम्पूर्ण जीवन किसानों, गरीबों और मजदूरों के कल्याण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने किसानों के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए, जिनमें जमींदारी उन्मूलन कानून को ऐतिहासिक उपलब्धि माना जाता है। किसानों के अधिकारों और सम्मान के लिए उनके संघर्ष को आज भी देश का किसान याद करता है और उन्हें अपना सच्चा मसीहा मानता है।अखिलेश यादव का मानना है कि समाजवादी पार्टी चौधरी चरण सिंह के आदर्शों और उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी सोच के अनुरूप समाजवादी सरकार ने वर्ष 2016 को 'किसान वर्ष' घोषित किया था। साथ ही समाजवादी पार्टी की सरकारों ने अपने कार्यकाल में किसानों और गांवों के विकास को प्राथमिकता देते हुए बजट का बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों और कृषि हितों के लिए समर्पित किया।सभा में पूर्व सांसद अरविन्द कुमार सिंह, पूर्व विधायक विजय पासवान सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विभिन्न जनपदों से आए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।श्रद्धांजलि सभा में ललित आर्या सम्भल, शमसाद हुसैन चंदौसी, धर्मेन्द्र सिंह यादव मैनपुरी, जयपाल सिंह, रामउदित, राम प्रताप यादव, अमरजीत यादव, रवि पासवान, एस. के. राय, प्रदीप सिंह पन्नू, सूरजकान्त, सैय्यद उबैस अली, डॉ. वी.के. यादव, रामकुमार यादव, अंकित यादव, विजय सोनकर, राम सिंह यादव, जयपाल यादव, डॉ. रितेश यादव, वरुण कुमार, बिहारी लाल पाल, महेन्द्र सिंह राजपूत, डॉ. हरिश्चन्द्र, राधेश्याम यादव, ओम प्रकाश यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीबीएयू में 'विवेकानंद मार्ग' पर मंथन, आधुनिक भारत के लिए व्यावहारिक अध्यात्म को बताया जरूरी

लखनऊ(आरएनएस)बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 'लिविंग द विवेकानंद वे रू प्रैक्टिकल स्पिरिचुअलिटी फॉर मॉडर्न इंडिया' पुस्तक पर संवादात्मक चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें आधुनिक भारत में स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रासंगिकता, व्यावहारिक अध्यात्म, युवा सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर विस्तृत मंथन हुआ। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए केवल आर्थिक उन्नति ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक चेतना और युवा शक्ति के सकारात्मक उपयोग को भी प्राथमिकता देनी होगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। पुस्तक का सह–लेखन अनुवाद सॉल्यूशंस की निदेशक डॉ. अनन्या अवस्थी और विवेकानंद केंद्र, उत्तर प्रांत के उपप्रमुख डॉ. निखिल यादव द्वारा किया गया है, जो कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर प्रसिद्ध लोकगायिका एवं समाजसेवी मालिनी अवस्थी, शिक्षा विभाग के कार्यवाहक विभागाध्यक्ष डॉ. हरिशंकर सिंह तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुभाष मिश्रा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलगीत का गायन किया गया तथा अतिथियों को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुभाष मिश्रा ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह संवाद नई पीढ़ी को स्वामी विवेकानंद के विचारों को वर्तमान सामाजिक और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में समझने का अवसर प्रदान करेगा।अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने पुस्तक और युवा लेखकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं को स्वामी विवेकानंद और डॉ. भीमराव अम्बेडकर जैसे महान व्यक्तित्वों के जीवन, विचार और संघर्ष को गहराई से समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब दुनिया भारत को केवल 'सांप–सपेरों का देश' कहकर देखती थी, लेकिन स्वामी विवेकानंद ने अपने ज्ञान, विचार और आध्यात्मिक चेतना के बल पर विश्व मंच पर भारत की नई पहचान स्थापित की।प्रो. मित्तल ने कहा कि आज विश्व भारत की ओर आशा और विश्वास से देख रहा है, ।

देर रात तेज आंधी के साथ हुई बारिश, एक की मौत, कई घायल

50–60किमी की रफ्तार से चली हवा, पेड़ और पोल उखड़े, कई इलाकों में जलभराव

प्रयागराज न(आरएनएस)। प्रयागराज में गुरुवार देर रात करीब 2रू00 बजे से तेज गरज चमक के साथ तेज हवाएं शुरू हुई और देखते ही देखते 2रू30 बजे के करीब तेज आंधी के साथ बादलों की गड़गड़ाहट शुरू हो गई। इसके बाद करीब 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आए तूफान के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई, जो करीब एक घंटे तक लगातार जारी रहा।तूफान और आंधी की वजह से शहर और ग्रामीण इलाकों में भारी नुकसान हुआ है।टटट कई मुख्य रास्तों और मोहल्लों में भारी भरकम पेड़ उखड़कर गिर गए। इसके साथ ही कई इलाकों में बिजली गिरने की भी सूचना है। कोरांव क्षेत्र में बारजा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।तूफान का सबसे बड़ा असर शहर की बिजली आपूर्ति पर पड़ा है। तेज हवाओं के कारण दर्जनों जगहों पर बिजली के तार टूट गए और कई खंभे धराशायी हो गए। इस वजह से आधी रात से ही कई इलाकों की बत्ती पूरी तरह गुल है। बिजली विभाग की टीमें सुबह से ही युद्धस्तर पर काम में जुटी हुई हैं ताकि प्रभावित इलाकों में जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति बहाल की जा सके। गोविंदपुर, शुक्ला मार्केट, सलोरी, कैलाशपुरी, तेलियरगंज और मजार इलाके में कई घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। वहीं अशोक नगर, राजापुर और धूमनगंज के कई हिस्सों में भी देर रात से बिजली गुल रही, जिससे लोगों की नींद और दैनिक दिनचर्या प्रभावित हुई। इसके अलावा झूसी क्षेत्र में तेज आंधी के दौरान कई बिजली पोल और पेड़ गिर गए, जिसके चलते इलाके की बिजली व्यवस्था ठप हो गई। विद्युत विभाग की टीमें सुबह से मरम्मत कार्य में जुटी रहीं।प्रयागराज जनपद में यमुनापार के कोरांव नगर पंचायत के सुभाष नगर मुहल्ले के निवासी 55 वर्षीय विजय कुमार सिंह पुत्र बिहारी लाल सिंह की पड़ोसी के घर का बारजा गिरने से दबकर

मौत हो गई। विजय कुमार सिंह रात में अपने टिन शेड के नीचे सो रहे थे। रात में लगभग तीन बजे आंधी के दौरान पड़ोस में बने मकान के दूसरे मंजिल का बारजा गिरने से विजय कुमार सिंह उसके नीचे दब गए। स्वजन उन्हें आनन–फानन में सीएचसी कोरांव ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर परिवार में गमगीन माहौल है। मृतक विजय कुमार सिंह नगर पंचायत कोरांव के कर्मचारी परमहंस सिंह के चाचा बताए जाते हैं।मेजा थाना क्षेत्र के ग्राम सभा गड़ेवरा की आदिवासी बस्ती में शुक्रवार भोर में तेज आंधी व बारिश में भोला आदिवासी के मकान पर महुआ का पेड़ गिर गया।

सुप्रीम कोर्ट से आशुतोष महाराज को झटका, याचिका खारिज

यौन उत्पीड़न के मामले में शंकराचार्य की जमानत बरकरार

प्रयागराज(आरएनएस)। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज को यौन उत्पीड़न मामले में राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने बटुकों के यौन उत्पीड़न मामले में दायर याचिका को शुक्रवार को सुनवाई कर खारिज कर दिया। नाबालिग बटुकों के साथ कथित यौन शोषण और पॉक्सो एक्ट के मामले में शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी ने यह याचिका दायर की थी।ज्ञात हो कि 25 मार्च को शंकराचार्य और उनके शिष्य मुकुंदानंद को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिली थी। इसके बाद आशुतोष महाराज ने फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दी थी। आशुतोष महाराज ने शंकराचार्य को मिली अग्रिम जमानत को रद्द करने की मांग की थी। जिस पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने 8 फरवरी को जिला कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जज (रेप एंड पोक्सो स्पेशल कोर्ट) विनोद कुमार चौरसिया के आदेश के बाद झुंसी थाने की पुलिस ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बटुकों से कुकर्म की 21 फरवरी को एफआईआर दर्ज की थी। 25 मार्च को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की जमानत मंजूर की थी। तब हाईकोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच ने फैसला सुनाया था कि चार्जशीट दाखिल होने तक शंकराचार्य की गिरफ्तारी नहीं होगी।कोर्ट ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जमानत देते हुए शर्तें भी लगाई थीं। इसमें सबसे अहम शर्त यह थी कि दोनों पक्ष (शंकराचार्य और आशुतोष) मीडिया में बयानबाजी नहीं करेंगे। इंटरव्यू नहीं देंगे। शंकराचार्य के विदेश जाने पर भी रोक लगा दी थी। जमानत की शर्तों का उल्लंघन

करने पर दूसरा पक्ष जमानत कैंसिलेशन अर्जी दे सकता है। जमानत होने के बाद शंकराचार्य ने कहा था कि जब चाहे किसी को फंसा दें। इस तरह के फैसले कभी कभी जब आते हैं, तो लोगों को हिम्मत बंधती है। ऐसा नहीं है कि जो लोग इसे जाल के रूप में इस्तेमाल करते हैं, वो हमेशा सफल नहीं रहते। ऐसे लोगों के मन में न्याय और न्याय की प्रक्रिया के प्रति आस्था होती है।

ग्राइंडर मशीन से गला रेतकर युवक ने कर ली आत्महत्या

प्रयागराज(आरएनएस)। फूलपुर कस्बे के कैथाना में एक युवक ने ग्राइंडर से गला रेतकर आत्महत्या कर ली। घटना से घर में कोहराम मच गया है। पुलिस की जांच में प्रथम दृष्टया पारिवारिक कलह की बात सामने आई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फूलपुर कस्बे के कोहना मोहल्ला निवासी शाहरुख उर्फ अतीक (30) पुत्र मोहम्मद हबीब की शादी तीन वर्ष पहले हुई थी। उसके एक बेटा भी है। परिजनों ने बताया कि अतीक का पति–पत्नी के बीच काफी दिनों से पारिवारिक न्यायालय में विवाद चल रहा था। परिजनों ने बताया कि उसने परामर्श केंद्र में भी आवेदन किया था। जिस पर उसकी पत्नी अभी एक दिन पहले ही घर लौटी थी।

परिजनों के मुताबिक रात करीब 2 बजे के बाद युवक ने घर में रखी ग्राइंडर मशीन को गले पर लगाकर चालू कर दिया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार मे चीख पुकार मच गई। मौके पर आसपास के लोगों की भी भीड़ जमा हो गई।

बताया जाता है कि शाहरुख ने परामर्श केंद्र में प्रार्थना पत्र दिया था। इसके बाद उसकी पत्नी घर आई थी। फूलपुर पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस पारिवारिक विवाद को लेकर इसे खुदकुशी बता रही है। अभी मृतक के स्वजन ने कोई तहरीर नहीं दी है।

इस बाबत सहायक पुलिस आयुक्त, फूलपुर विवेक यादव ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

रेलवे ने शुरु किया एक पेड़ मां के नाम अभियान

प्रयागराज मंडल में जलवायु परिवर्तन और स्वच्छता जागरूकता पर जोर

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रयागराज मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर र पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को मंडल कार्यालय परिसर में ष्एक पेड़ माँ के नामष अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में यह अभियान 15 मई से 5 जून तक श्क्लाइमेट चेंजश थीम पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य रेलवे परिसरों को स्वच्छ, हरित और प्लास्टिक मुक्त बनाना है। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य) दीपक कुमार ने पौधारोपण किया, जबकि वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी वैभव कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। रेलवे प्रशासन के अनुसार, इस अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, कॉलोनियों और कार्यालय परिसरों में स्वच्छता, जल संरक्षण, ऊर्जा बचत और प्लास्टिक उन्मूलन को बढ़ावा दिया जा रहा है। श्मिशन लाइफश के अंतर्गत पोस्टर, बैनर और डिजिटल संदेशों के माध्यम से लोगों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। अभियान में यात्रियों और कर्मचारियों को पुनः उपयोग योग्य बोतलों, बैगों और कंटेनरों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल टिकटिंग और पेपरलेस यात्रा को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। रेलवे स्टेशनों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर कचरा पृथक्करण और उसके उचित निस्तारण के प्रति भी जागरूकता फैलाई जा रही है।रेलवे प्रशासन ने बताया कि प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों और रेलवे परिसरों में ष्एक पेड़ माँ के नामष अभियान के तहत लगातार वृक्षारोपण जारी है, जिसका उद्देश्य हरित और स्वच्छ वातावरण का निर्माण करना है।

संयुक्तप्रतियोगी छात्र हुंकार मंच ने किया जोरदार प्रदर्शन

प्रयागराज(आरएनएस)। संयुक्त प्रतियोगी छात्र हुंकार मंच के नेतृत्व में शुक्रवार शाम शहर में विशाल तिरंगा मोमबत्ती मार्च का आयोजन गया। बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्र– छात्राएं मनमोहन पार्क चौराहे पर इकट्ठा होकर तिरंगे लिए और मोमबत्तियां जला कर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराते दिखे।छात्रों ने बोर्ड व प्रतियोगी परीक्षाओं में हालिया समय में सामने आई अनियमितताओं, पेपर लीक और पारदर्शिता की कमी के खिलाफ अपना रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि उनका संघर्ष किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि भ्रष्ट और संदिग्ध परीक्षा व्यवस्था के विरोध में है। मंच ने दावा किया कि लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों ने लाखों युवाओं के करियर को संकट में डाल दिया है और मेहनत से तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों का परीक्षा प्रणाली पर भरोसा टूटकट रहा है।हुंकार मंच संयोजक पंकज पांडेय ने कहा कि आज के आयोजन का उद्देश्य युवाओं की आवाज शासन–प्रशासन तक पहुंचाना है। मनमोहन पार्क चौराहे से सिविल लाइन सुभाष चौराहा तक विशाल तिरंगा मोमबत्ती मार्च निकाला जा रह है। उन्होंने कहा कि हमारा विरोध किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की मांग के लिए है। मेहनत कर रहे विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।।

सत्यधाम आश्रम के वार्षिकोत्सव में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

निज स्वरूप का ज्ञान ही परमबोध-सत्यसमदर्शी कविराजदेव

सुलतानपुर(आरएनएस)। जिले के कोइरीपुर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित सिंहौली गांव के सत्यधाम आश्रम में वार्षिकोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय संत समागम एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से आए संत–महात्माओं और हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। आयोजन के दौरान आध्यात्मिक प्रवचन, सत्संग, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भंडारे का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ संतों के चरण प्रच्छालन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। सत्यधाम के गद्दीधीश आचार्य सत्यसमदर्शी देवेन्द्र कविराजदेव जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि निज स्वरूप का ज्ञान ही परमबोध है। उन्होंने संत दर्शन, भक्ति, मुक्ति तथा जन–जीव कल्याण के महत्व पर प्रकाश डाला। समागम में गुरु मां उत्तम साहिब, संत निर्मल जी, संत शत्रुघ्न जी, संत कर्मेंद्र जी, संत लक्ष्मण दास, संत निर्मोही जी एवं स्वामी पारसनाथदास जी सहित कई संतों ने सत्संग के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश दिए। आश्रम में समय–समय पर गौसेवा, समाजसेवा, प्रतिभा सम्मान, सेवा शिविर, सत्संग तथा नैतिक, शैक्षिक और जनजागरण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

भजन संध्या में लोकगायकों ने बांधा समां सांस्कृतिक संध्या के दौरान आयोजित भजन कार्यक्रम में वॉयस ऑफ अवध कीर्ति चौरसिया ने अवधी भजनों की प्रस्तुति देकर खूब सराहना बटोरी। वहीं धर्मेंद्र गोल्डन, शिवकुमार सूफी, अनमोल चौधरी, दिव्या तिवारी, अंजू यादव, दृष्टि सिंह एवं प्रदीप वर्मा समेत अन्य कलाकारों ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुधा देव ने की।

उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन निष्ठा तिवारी ने किया। इस अवसर पर त्रिपुरारी जी महाराज, कवि लोकेश श्रीवास्तव, जादूगर संजय घायल, गीतकार धर्मराज, समाजसेवी आशीष तिवारी, खंड शिक्षा अधिकारी अजय सिंह, गुलाब चंद्र, शिव शंकर मिश्र, डॉ. अमित कौशल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अदावतः महोली में दिनदहाड़े जमकर चली गोली, छह हुए घायल

84 कोस परिक्रमा मार्ग में भंडारे को लेकर खूनी संघर्ष

जमकर चलीं गोलियां, आधा दर्जन लोग घायल

पुलिस ने दर्ज कराई एफआईआर, आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया

मथुरा। गुरुवार को चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग में दो पक्षों के बीच जमकर गोली चली। गोलीबारी की घटना में आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया हैं वहीं आधा दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। थाना हाईवे क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले महोली गांव में दो पक्षों के बीच पुरानी अदावत चली आ रही थी। एसएसपी ने श्लोक कुमार ने घटना पर विस्तृत जानकारी साझा की है। एसएसपी के अनुशार 28 मई को थाना हाईवे क्षेत्र में गांव महोली पड़ता है। यहां दो पक्षों के बीच आज विवाद हुआ जिसके बाद इनके मध्य फायरिंग हुई इसमें छह लोगों के चोट आई है और छह लोग हिरासत में लिए गए हैं। सीसीटीवी फुटेज इत्यादि संकलित किये जा रहे है। जिसमें कि स्पष्ट रूप से जो लोग भी फायरिंग कर रहे हैं वो दिख रहे हैं । कुछ अवैध असलाह (हथियार) भी बरामद कर लिए गए हैं । इन छह लोगों से गहनता से पूछताछ की जा रही है और पुलिस के तरफ से इसमें मुकदमा पंजीकृत कराया जा रहा है । गंभीर और कड़ी धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराते हुए इन सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कारवाई सुनिश्चित की जाएगी । जानकारी करने पर यह बात प्रकाश में आई कि इनके बीच में पहले से ही विवाद चल रहा था उसको लेकरके कसीदगी के चलते आज यह घटना घटित हुई है इसमें विस्तृत जांच भी की जा रही है कि पहले जो झगड़ा हुआ उसमें पुलिस को क्या सूचना दी गई और इस पर क्या कार्यवाही पुलिस द्वारा की गई ? इसमें यदि कोई पुलिसकर्मी का दोष पाया जाता है तो उसके विरुद्ध भी कार्यवाही की जाएगी । यह भी संज्ञान में आया है कि कल मोटरसाइकिल टकराने को लेकर के झगड़ा हुआ और प्रतिस्पर्धा थी कि कौन यहां पर भंडारा लगाएगा । इसी बात को लेकर के इन दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ और फिर फायरिंग हुई है। हम लोग के पास जैसा मैंने बताया सीसीटीवी फुटेज, वीडियो फुटेज मौजूद हैं । जिनके आधार पर छह चिन्हित लोगों को हिरासत में ले लिया गया है शेष की भी गिरफ्तारी के लिए टीमें लगा दी गई है और शीघ्र उनको भी गिरफ्तार किया जाएगा।

एसएसपी मौके पर पहुंचे, गांव में पुलिसबल तैनात

घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। संजू और हरिओम की हालत गंभीर होने पर उन्हें सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि चंद्रपाल पक्ष के राजू और मलखान सिंह तथा गुड्डी पक्ष के रिंकू और केदार का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी श्लोक कुमार, एसपी सिटी राजीव कुमार सीओ अनिल कपरवान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने गांव में अतिरिक्त फोर्स तैनात कर दी है।

जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने उद्योग बंधु की बैठक कर सुनी समस्याएं

निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का तत्काल समाधान करें अधिकारी

औद्योगिक आस्थान में सड़कों को दुरुस्त करने के निर्देश

मीरजापुर 29 मई 2026– जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बंधु एवं व्यापार मण्डल समिति की बैठक हुई। बैठक में उद्यमियों ने बिजली, पानी, सड़क, एनओसी और बैंक ऋण से जुड़ी समस्याएं रखीं। जिलाधिकारी ने निवेश मित्र पोर्टल की समीक्षा करते हुए पाया कि 69 प्रकरण विभिन्न विभागों में समयार्न्गत लंबित हैं। इसी प्रकार सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान योजना 2025–26 के अन्तर्गत बैंको को भेजे गए 973 आवेदन पत्र आनलाइन अग्रसारित किए गए जिसमें 136 स्वीकृत, 108 आवेदन पत्र वितरित तथा 314 आवेदन पत्र विभिन्न बैंको द्वारा निरस्त किए गए जबकि 620 आवेदन पत्र बैंको में स्वीकृति हेतु लम्बित है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सरकार की प्राथमिकता है अतएव सभी लंबित एनओसी, अनापत्ति और स्वीकृतियां अविलम्ब जारी करते हुए वितरण की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए। चुनार से तीन किलोमीटर आगे स्थित लगभग 10 ईकाईयो को जोड़ने वाले चुनार उदित नगर बड़ा गांव जर्जर मार्ग बनवाने तथा शहरी क्षेत्र में पेयजल की व्यवस्था हेतु खोदे गए गड्ढे को ठीक कराने, तहसील चौराहा से पाण्डेयपुर रोड मरम्मत पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियो को उपरोक्त कार्यो को 15 दिवस के अन्दर मुख्य मार्गो की मरम्मत पैचवर्क और नाली सफाई का कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात से पहले सड़कें दुरुस्त हो जानी चाहिए, ताकि कच्चे माल व तैयार उत्पाद की आवाजाही में दिक्कत न हो। विद्युत विभाग को औद्योगिक फीडर पर ट्रिपिंग रोकने और 24 घंटे निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को समयबद्ध तरीके से सहमति प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में औद्योगिक आस्थान चुनार मीरजापुर में पार्क का रेनोवेशन, राजकीय चीनी पात्र विकास केन्द्र, चुनार के बाउ्रंवाल निर्माण कार्य, जिला निर्यात समिति की बैठक समय से कराने तथा जनपद में स्थापित होने वाली औद्योगिक ईकाईयो (एम0ओ0यू0) के आने वाले समस्याओं से उद्यमियो के द्वारा उठाया गया जिस पर जिलाधिकारी ने बिन्दुवार प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुए अधिकारियो को समाधान कराने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, उपायुक्त उद्योग संदीप कुमार के अलावा मनोज खण्डेलवाल, मण्डल सचिव इंडियन इंडस्ट्रीस्ज एशोसिएशन आशीष बुधिया, मीरजापुर कारपेट से मोहनदाल अग्रवाल, राहुल कुमार, अशोक पटेल, आर0के0 यादव, आशीष कमार, अमित श्रीनेत्र, आशीष सिंह, मुकेश तिवारी, दुर्गा प्रसाद चौधरी, राधेश्याम हरकघा विभाग सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व उद्यमी उपस्थित रहें।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र के ग्राम सझौंवा मजरे बहुरांवा में दोपहर एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही बल्दीराय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार मृतका लक्ष्मी (27 वर्ष) पत्नी रविकुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तब तक परिजन महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले जा चुके थे। बल्दीराय पुलिस घटना स्थल का निरीक्षण के बाद अस्पताल पहुंच कर मृतका के शव का पंचनामा करवाने के बाद शव को पीएम के लिए मर्चरी हाऊस भेज दिया। मृतका के भाई ने हत्या किए जाने की जताई आशंकाकूरेभार थाना क्षेत्र के पूरे सागर मजरे पुरखीपुर निवासी मृतका के भाई कप्तान ने आरोप लगाया कि उसकी बहन की शादी करीब 15 वर्ष पूर्व रविकुमार के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग उसे प्रताड़ित करते थे। भाई का आरोप है कि बृहस्पतिवार को भी लक्ष्मी के साथ मारपीट की गई, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मृतका अपने पीछे दो मासूम बच्चों, पुत्र श्लोक कुमार (8 वर्ष) एवं पुत्री सृष्टि (4 वर्ष) को छोड़ गई है।

फतहा घाट पर गरिमामय 'विन्ध्य स्वर संध्या'रू डॉ. दिनेश शर्मा ने किया पं. छन्नूलाल मिश्र स्मृति मंच का लोकार्पण

मिर्जापुर ।भारतीय शास्त्रीय संगीत, सांस्कृतिक चेतना एवं विन्ध्य क्षेत्र की गौरवशाली सांगीतिक परंपरा को समर्पित भव्य सांस्कृतिक संध्या "विन्ध्य स्वर संध्या" का आयोजन दिनांक 27 मई 2026 को सायं 06रू00 बजे से देर रात्रि तक फतहा घाट, मिर्जापुर पर अत्यंत गरिमामय एवं भव्य वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन नगर पालिका परिषद, मिर्जापुर के अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर केशरी जी के कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका परिषद, मिर्जापुर द्वारा नव–निर्मित पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र स्मृति मुक्तकाशीय मंच का लोकार्पण मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं वर्तमान राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा मिर्जापुर जिलाध्यक्ष श्री लाल बहादुर सरोज, मझवां विधायक श्रीमती सुचिस्मिता मौर्य, वाराणसी पे पधारे राज्यमंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा, जिलाधिकारी श्री पवन कुमार गंगवार, पद्मश्री पंडित ऋत्विक सन्याल, पंडित रामानंद तिवारी, प्रोफेसर भवभूति मिश्रा सहित जनपद के अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

पूरा फतहा घाट जनसमूह से भरा हुआ था तथा संपूर्ण वातावरण संगीत, संस्कृति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत–प्रोत दिखाई दे रहा था। मिर्जापुर में इस प्रकार के उच्चस्तरीय सांस्कृतिक आयोजन का होना जनपद के लिए अत्यंत गौरव एवं प्रसन्नता का विषय रहा।

यह आयोजन पद्मविभूषण पं. छन्नूलाल मिश्र काशी संगीत न्यास, वाराणसी (रजि.) की अध्यक्ष प्रो. नम्रता मिश्रा एवं नगर पालिका परिषद, मिर्जापुर के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पद्मश्री पं. शिवनाथ मिश्र द्वारा प्रस्तुत सितार वादन ने श्रोताओं का मन मोह लिया। उनके साथ उनके सुपुत्र श्री देवव्रत मिश्र ने अद्भुत जुगलबंदी प्रस्तुत की तथा तबले पर उनके नाती श्री प्रशांत मिश्र ने अपनी उत्कृष्ट संगत से कार्यक्रम को विशेष ऊँचाई प्रदान की।

इसके उपरांत विदुषी सुचरिता गुप्ता ने कजरी, चौती की भावपूर्ण प्रस्तुती से संगीतप्रेमियों को अभिभूत किया। वहीं कोलकाता से पधारी पंडित जी की वरिष्ठ शिष्या विदुषी श्रीमती विष्णुप्रिया चक्रवर्ती ने अपने गुरु जी द्वारा सिखाई दादरा, चौती तुम्ही और भजन की प्रभावशाली सांगीतिक प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर केशरी द्वारा की गई।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा ने पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र जी को स्मरण करते हुए भावुकता व्यक्त की तथा उनकी सुपुत्री प्रो. डॉ. नम्रता मिश्रा द्वारा संगीत एवं सांस्कृतिक संरक्षण हेतु किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ प्रदान कीं। उन्होंने कहा कि कृ

"अब तक नम्रता जी केवल काशी की बेटी थीं, किंतु मिर्जापुर को अपनी कर्मस्थली बनाने के कारण अब वे काशी एवं मिर्जापुर कृ दोनों की बेटी हैं।"

कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु उपस्थित समस्त अतिथियों, कलाकारों, संगीतप्रेमियों एवं नगरवासियों के प्रति आयोजकों द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अम्बुज कुमार पाण्डेय ने किया।

बीजेपी सरकार हर मोर्चे पर विफल है -राहुल राजभर

मिर्जापुर 29 मई को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय मिशन कंपाउंड पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय जी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ शिवकुमार सिंह पटेल एवं शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भगवान दत्त पाठक उर्फ राजन पाठक के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ राहुल राजभर के द्वारा प्रेस वार्ता किया गया'

महोबा की एक दलित छात्रा का अपहरण कर 16 दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया, उसके साथ न सिर्फ दुष्कर्म किया गया बल्कि नरसंघीय व्यवहार किया गया। सरकार का कोई नुमाइंदा पीड़िता के घर नहीं पहुंचा, जब उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ0 श्री अजय राय जी पीड़िता का दुख साझा करने उसके घर जा रहे थे तो उन्हें रोकने की हर संभव कोशिश की गई नगर के पीड़िता के घर पहुंचे।

यह संवेदनहीन सरकार जो खुद तो पीड़िता का दुख साझा करने की संवेदना नहीं रखता वह श्री अजय राय जी के जाने से इतना व्याकुल हो गया कि पूरे प्रदेश में सरकार की यह पर भाजपायी कार्यकर्ताओं द्वारा उनके इस्ते मानवीय और मार्मिक कार्य के विरोध भी अजय राय जी खिलाफ धरना प्रदर्शन शुरू हो गए। कार्यकर्ताओं तो कार्यकर्ता सरकार के मंत्री और विधायक भी आगे आकर प्रदेश अध्यक्ष का विरोध करने लगे। बेहदाहकी सरकार के नुमाइंदों ने भी अजय राय के खिलाफ उनकी संपत्ति की जांच की मांग की है।

बड़ा हास्यास्पद है कि आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी यह सरकार और उनके मंत्री और विधायक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय राय जी की संपत्ति की जांच की मांग कर रहे हैं जबकि उनका सारा सार्वजनिक जीवन खुली किताब की तरह है। अभी दो दिनों पूर्व ही आगरा नगर निगम ने प्राइवेट बिजली कंपनी टॉरेंट का 430 करोड़ रुपये माफ किए हैं, इसके पहले हजारों करोड़ रुपये पूंजीपतियों के माफ कर उनसे भाजपा ने वसूली की है। कांग्रेस यह सिद्ध कर चुकी है काम लो चंदा दो की नीति भाजपा सरकार बना चुकी है तथा ईडी, आयकर के छापों से वसूली की नीति भी भाजपा की बनाई हुई है इससे बड़ा भ्रष्टाचार का उदाहरण भला और क्या हो सकता है?

सरकार को वाकई अगर भ्रष्टाचार को बेनकाब करना है और उनमें अगर साहस है तो अपने मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति की जांच करा ले,'वि यह पता चल जाएगा कि पिछले 9 सालों में कितनी लूट हुई है। मिड–डे मील से लेकर सड़कों तक, अस्पताल की दवाईयों से लेकर मनरेगा तक चारों तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है। यहां तक कि इन लोगों ने प्रभु राम की नगरी अयोध्या तक को नहीं छोड़ा है। न सिर्फ मंदिर के चंदे पर लूट हुई है बल्कि जितना अयोध्या में विकास नाम पर धन उगाही हुई है वह सबके सामने है

प्रेस वार्ता में उपस्थित जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ शिवकुमार सिंह पटेल शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भगवान दत्त पाठक उर्फ राजन पाठक जिला पंचायत सदस्य शिव शंकर चौबे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं प्रवक्ता मिन्हाज अहमद छोटे खान गुलाबचंद पांडे रमेश चंद प्रजापति पप्पू राजधर दुबे आनंद त्रिपाठी रामनाथ दुबे राजेंद्र विश्वकर्मा विजय दुबे पहाड़ी रितेश मिश्रा रामसहाय सिंह राजू भारती कन्हैया लाल पाठक

सड़कों पर जाम मुक्तिके स्लोगन लिखकर लगाई गुहार

-शासन प्रशासन से वृंदावन को जाम मुक्तबनाने का बृजवासियों ने किया आह्वान

(वृंदावन)(ए.के.शर्मा)

नगर में वृंदावन सिविल सोसाइटी के बैनर तले वृंदावन को जाम मुक्त बनाने की मुहिम के अंतर्गत सड़कों पर जागरूकता स्लोगन लिखने का अभियान शुरू किया गया। अभियान के तहत नगर के प्रमुख चौराहों और मार्गों पर "जाम मुक्त हो वृंदावन धाम" जैसे संदेश लिखकर लोगों को यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए जागरूक किया गया। अभियान में शामिल सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने कहा कि

वृंदावन में लगातार बढ़ते ट्रैफिक और ई–रिक्शाओं के अव्यवस्थित संचालन के कारण श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से प्रभावी यातायात व्यवस्था लागू करने और वृंदावन को जाम मुक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं, व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर "चलो भाइयों जाम हटाओ, वृंदावन को सुंदर बनाओ" जैसे नारों के माध्यम से जनजागरण किया। अभियानकर्ताओं का कहना था कि यह मुहिम आगे भी लगातार जारी रहेगी ताकि धर्मनगरी की पहचान स्वच्छ, सुंदर और सुगम यातायात वाले शहर के रूप में स्थापित हो सके। जितेंद्र सिंह राणा ने कहा कि वृंदावन केवल एक नगर नहीं बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहां की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करना प्रशासन और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। पवन ठाकुर ने कहा कि लगातार बढ़ते जाम के कारण स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। धनेंद्र अग्रवाल बॉबी ने कहा कि वृंदावन की पहचान उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा से है। जाम और अव्यवस्थित यातायात इस गरिमा को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से भी यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। इस अवसर पर सुरेश चंद्र शर्मा, राघव भारद्वाज, विवेक गौतम, रूप किशोर शर्मा, अमित शर्मा, कृष्णा शर्मा, ठाकुर कालीचरण सिंह,मुरारी लाल शर्मा ,अतुल श्रीवास्तव, सोहन सिंह सिसोदिया, नीलमणि अरोड़ा,राकेश खेतान ,सुरेश चंद्र शर्मा, बंसी तिवारी, रविकांत गौतम, पंडित उदयन शर्मा, सुंदर सिंह, नरेंद्र शर्मा, राकेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

डकैती में गई रिवाल्वर के साथ दबोचा

चार नामजद और 20 से 25 अज्ञात के खिलाफ संगीन धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा

(मथुरा)

थाना छाता पुलिस ने डकैती के अभियोग में वांछित अभियुक्त को चोरी गई एक रिवाल्वर, दो जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। थाना छाता पुलिस टीम द्वारा गुरुवार को रात के करीब एक बजे मुखबिर की सूचना पर थाना छाता पर पंजीकृत डकैती के अभियोग में वांछित अभियुक्त निरंजन उर्फ निरजो पुत्र स्व. जीतमल उर्फ जीती निवासी चंदौरी थाना छाता जिला मथुरा को ग्राम चन्दौरी जाने वाले रास्ते पर लाल गेट से करीब 50 मीटर आगे से गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 317(3) बीएनएस की बढौत्तरी कर के विरुद्ध थाना छाता पर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई। पीड़िता के प्रार्थना पत्र पर निरजो पुत्र जीतमल, भोजराज पुत्र जीतमल, लोकेश पुत्र पप्पू, रामगोपाल पुत्र रामस्वरूप निवासीगण चन्दौरी थाना छाता व 20 से 25 अज्ञात व्यक्ति नाम पता अज्ञात के द्वारा एक राय होकर लाठी डंडो व धारदार हथियार व तमंचे से लैस होकर पीडिता के पुत्र के साथ जान से मारने की नियत से मारपीट करते हुए गम्भीर रूप से घायल करते हुए हमला कर देना तथा दौराने झगडा वादिया के पुत्र की लाइसेंसी रिवाल्वर व जेब से 30–40 हजार रूपये एव दो तोले की गले की चौन को लूट कर ले गये थे।

प्रसूता की मौत के बाद अस्पताल सीज

जौनपुर(आरएनएस)। मछलीशहर कस्बे के इंद्रावती अस्पताल को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने प्रसूता की मौत के मामले की जांच के बाद सीज कर दिया है ।मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए सी एच सी के अधीक्षक डॉ अजय सिंह ने देर रात कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी है। उक्त अस्पताल में पवारा थाना क्षेत्र के सजईकला गांव निवासी ज्वाला में अपनी पत्नी रेनू (30)को प्रसव पीड़ा होने पर भर्ती कराया ।परिजन ने डाक्टर को बताया कि यह तीसरा बच्चा है। इससे पहले दो की नार्मल प्रसव हुआ है ।डाक्टर ने थोड़ी देर बाद प्रसव में दिक्कत होने की बात कहते हुए सीजर से बच्चा पैदा करने पर परिजनों को सहमत कर आपरेशन किया ।मृत बच्चा पैदा हुआ और प्रसूता की हालत गंभीर हो गई। उसे जिले के एक निजी अस्पताल में भेजा गया किंतु रक्तस्राव अधिक होने से उसकी मौत हो गई। मामले की जानकारी होने के बाद अस्पताल स्टाफ मौके से भाग गया ।रात में जिले से मीटिंग अटेंड करने के बाद लौटे एडिशनल सी एम ओ राजीव यादव की उपस्थिति में अधीक्षक डॉ अजय सिंह अस्पताल पहुंचकर जांच किए तो केवल दो स्टाफ नर्स मौजूद मिली ।कोई वैध प्रपत्र नहीं मिलने पर अस्पताल सीज कर दिया गया।

दिल्ली जनजातीय सम्मेलन- अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।भील और भारिया की दो कहावतें हैं – भील कहते हैं, ष्होने नी रेत, ने खोने नो डर" और भारिया कहते हैं ष्डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नई देखे।ष इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिले से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है – "जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या?" जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भुला–बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ! और भारिया कहावत का अर्थ है – "बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं, लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए"। जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा – "हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाईयत, इस्लाम और वामपंथी विचारकों रूपी श्राक्षसश ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे। लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है – "अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं"। रविवार को दिल्ली के लालकिले

पर संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी। यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज अपनी जल, जंगल और जमीन के साथ–साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता, प्रचण्डता, प्रगल्भता और प्रबलता से श्डीलिस्टिंगश की अपनी पुरानी माँग का पुनरुद्घोष किया। आरएसएस सदा–सदा से यह कहता रहा है कि स्वधर्म छोड़कर ईसाइयत और इस्लाम को स्वीकारने वाले लोगों को अनुसूचित जाति, जनजाति से बाहर किया जाना चाहिए।ईसाई मिशनरियों ने व्यापक स्तर पर भोले–भाले जनजातीय समाज को बहला–फुसलाकर, आर्थिक लालच देकर, दबावपूर्वकय जैसे भी हो वैसे भी मतांतरण कराया है। देश में सतत चल रहे इस षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड, छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हो गए हैं जहां ध र्मांतरित लोग दोहरे लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी–भरकम फंड (थ्ब्।) का लाभ लेते हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं। यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गई कि ष्जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी–देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता।ुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि ष्तुम हिंदू नहीं हो, इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना।ष लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है, और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवध् र्न की पूजा करते हैंय और हमारे वनवासी भाई श्बूढ़ादेवश, श्बड़ादेवश और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अन्तर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर–भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं श्किरातश (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना एक गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर श्सांस्कृतिक विभाजनश की नींव रखने का प्रयास है। दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए श्लव जिहादश और श्लैंड जिहादश के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया। असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला–फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है। चूंकि कानूनन कोई गैर–जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता, इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है। निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है।ारखंड की रुबिका पहाड़िन या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण अभी ताजा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची–समझी रणनीतिक जनसांख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

सम्पादकीय

करार के अंदर करार

क्रिटिकल मिनरल्स के बारे में हुए समझौतों की सफलता ऐसे वित्त की व्यवस्था पर निर्भर है, जो शीघ्र मुनाफे के लिए बेचौन ना हो। साथ ही प्रतिभा एवं कौशल जुटाए जा सके, तो बेशक चीन पर निर्भरता से मुक्ति मिल सकेगी।

क्वॉड के विदेश मंत्रियों की बैठक का लगभग पूरा ध्यान आधुनिक उद्योगों के लिए महत्त्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति शृंखला तैयार करने पर केंद्रित रहा। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों ने क्रिटिकल मिनरल्स की सुरक्षित आपूर्ति शृंखला बनाने के लिए सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों से 20 बिलियन डॉलर जुटाने का इरादा जताया। इसके अतिरिक्त भारत और अमेरिका के विदेश मंत्रियों ने इसी मकसद से एक अलग करार के फ्रेमवर्क पर दस्तखत किए। इसके तहत क्रिटिकल मिनरल्स के खनन, प्रोसेसिंग, और रिसाइक्लिंग की आपूर्ति शृंखलाएं बनाने के लिए दोनों देश सहयोग करेंगे।

छह महीने पहले श्आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस युग के लिए सुरक्षित एवं विश्वसनीय आपूर्ति शृंखलाच्च बनाने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में पैक्स सिलिका नाम की पहल शुरू की गई थी। इसका मकसद भी क्रिटिकल मिनरल्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग कायम करना था। इन बातों से साफ है कि खासकर अमेरिका की निगाह में रेयर अर्थ सहित तमाम महत्त्वपूर्ण खनिज आज कितने अहम हैं। खास बात यह है कि इन खनिजों की दुनिया में कोई कमी नहीं है। लेकिन इनकी प्रोसेसिंग और उनसे उपयोग योग्य उत्पाद बनाने की लगभग 90 फीसदी क्षमता सिर्फ चीन के पास है। नतीजतन, चीन तमाम देशों की सामरिक एवं रणनीतिक मंशाओं पर लगाम लगाने में सक्षम बना हुआ है। अतरू अमेरिका ने अब अपने नेतृत्व में वैकल्पिक आपूर्ति शृंखला तैयार करने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। मगर इन खनिजों से उपयोग लायक उत्पाद बनाना जटिल, महंगी और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली प्रक्रिया है। इसकी क्षमता हासिल करने में भी वक्त लगेगा। अमेरिका की वित्तीयकृत अर्थव्यवस्था में ऐसी परियोजनाएं लगाना कठिन हो गया है, जिनके बारे में समझा जाता हो कि उनमें ष्हाथ गंदेष होते हैं। इसलिए वह करार–दर करार कर रहा है। बहरहाल, ऐसे प्रोजेक्ट्स में मुनाफा होने के पहले लंबा इंतजार भी करना होता है। इसलिए ऐसे तमाम समझौतों की सफलता ऐसे वित्त की व्यवस्था पर निर्भर है, जो शीघ्र मुनाफे के लिए उतावला ना हो। साथ ही प्रतिभा एवं कौशल को तराशने की चुनौती है। ये सब जुटाए जा सके, तो निसंदेह दुनिया चीन पर निर्भरता से मुक्त हो सकेगी।

पढ़ाई और परीक्षा के बुरे दिन

इन दिनों पढ़ाई और परीक्षा के बुरे दिन चल रहे हैं। प्राथमिक विद्यालयों से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों तक शिक्षा की गुणवत्ता गिर गई है और बोर्ड परीक्षा से लेकर दाखिले व नौकरी के लिए होने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं पर संकट है। अगर पढ़ाई की बात करें तो कोविड महामारी के बाद हुए कई सर्वेक्षणों से पता चला कि बच्चों के सीखने की प्रक्रिया यानी लर्निंग प्रोसेस में गड़बड़ी हुई है। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा की स्थिति यह है कि छठी या सातवीं के बच्चे हिंदी की 10 पंक्तियों का शुद्ध पाठ नहीं कर पाते हैं। अपने दर्जे से कई क्लास नीचे के गणित के सवाल हल नहीं कर पाते हैं। दूसरी ओर उच्च शिक्षा का हाल यह है कि पांच साल तक एमबीबीएस की पढ़ाई करने के बाद डॉक्टर लोग एमडी की डिग्री के लिए नीट पीजी की परीक्षा देते हैं तो उनको माइनस 40 तक मार्क्स आ रहे हैं। दो सौ सवाल और आठ सौ अंकों की परीक्षा में इस साल काउंसिलिंग के लिए क्वालिफाइंग परसेंटाइल शून्य कर दिया गया था। चार अंक लाने वालों का तो मेडिकल कॉलेज में दाखिला हुआ, एमडी की पढ़ाई के लिए। समझ सकते हैं कि प्राथमिक कक्षाओं से लेकर मेडिकल की पढ़ाई तक की क्या स्थिति है।पढ़ाई के साथ साथ परीक्षा के भी बुरे दिन चल रहे हैं। इस साल हुई तीन परीक्षाओं में हुई गडबड़ी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकार किस तरह से परीक्षा को तदर्थ ढंग से ले रही है और उसका कितना बड़ा नुकसान किशोर व युवा उम्र के छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। सबसे ताजा मामला सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा का है। इस बार सीबीएसई ने कॉपी जांचने के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम पद्धति अपनाई। इसके तहत 17 लाख से ज्यादा छात्रों की कॉपियों के लाखों पन्ने स्कैन किए गए और उन्हें सिस्टम पर अपलोड किया गया और जांचने वालों ने स्क्रीन पर उन स्कैन की गई कॉपियों को देख कर मार्किंग की।इतना ही नहीं इस बार ऑन स्क्रीन मार्किंग के साथ साथ मार्किंग के तरीके में भी बदलाव किया गया। पता नहीं किस भावना के तहत यह तय किया गया कि इस बार कॉपी जांचने में सख्ती होगी और मामूली गड़बड़ी पर भी नंबर काटे जाएंगे।

जिमखाना पर इतना क्या शोक मनाना!

अजीत द्विवेदी

जिमखाना क्लब की 27.3 एकड़ जमीन की लीज केंद्र सरकार ने समाप्त कर दी है और क्लब को नोटिस भेज दिया गया है कि पांच जून तक इसे खाली कर दिया जाए। आधिकारिक रूप से कहा गया है कि सुरक्षा की दृष्टि से कुछ बुनियादी ढांचे का निर्माण होना है, जिसके लिए सरकार को यह जमीन चाहिए। दूसरी ओर क्लब के सदस्य इस नोटिस के खिलाफ अदालत पहुंचे हैं। हालांकि किसी को असल कारण पता नहीं है कि जिमखाना क्लब क्यों हटाया जा रहा है। इसलिए सब अपनी तरफ से कोई न कोई कारण बता रहे हैं। पहले उनकी बात करते हैं, जो फैसले के खिलाफ हैं और इसे हटाए जाने के कारण बता रहे हैं। जैसे किसी ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा अपने को असुरक्षित महसूस करते हैं इसलिए वे जिमखाना क्लब को प्रधानमंत्री के आवासीय कॉम्पलेक्स के अंदर लेना चाहते हैं। किसी ने कहा कि जिमखाना क्लब में होने वाली पार्टियों से लोक कल्याण मार्ग में रहने वालों को परेशानी होती है। इसलिए खाली कराया जा रहा है। इसके आगे किसी ने कहा कि मौजूदा निजाम के कुछ बड़े लोगों को सदस्यता नहीं मिली, जबकि राहुल गांध ी इसके सदस्य हैं इस खुन्नस में खाली कराया जा रहा है। किसी ने कहा कि पुरानी तमाम चीजों से मौजूदा सत्ता को परेशानी है इसलिए खाली कराया जा रहा है।

इसके बरक्स एक समूह ऐसे लोगों का है, जो इसे हटाए जाने का स्वागत कर रहे हैं। उनमें से किसी ने कहा कि यह ब्रिटिश साम्राज्य की निशानी है इसलिए इसको हटाया जाना चाहिए। किसी ने कहा कि अंग्रेजों ने भारतीयों को अपमानित करने के लिए ऐसे क्लब बनाए थे और ये क्लब गुलामी का प्रतीक हैं इसलिए इनको हटा दिया जाना चाहिए। फिर किसी ने इसमें जोड़ा कि वामपंथी लोगों के बौद्धिक विलास का अड्डा है इसलिए हटना चाहिए। कुछ लोगों ने कहा कि दारूबाजी का अड्डा है इसलिए हटना चाहिए। दिल्ली सरकार के एक मंत्री ने कहा कि किसानों से जमीन मांगी जाती है तो वे दे देते हैं इसलिए एलिट जमात को भी इसे खाली कर देना चाहिए।

इस तरह राजधानी दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से इस बात पर चकल्लस है कि जिमखाना क्लब रहना चाहिए या हटना चाहिए। सरकार के लिए यह चकल्लस बहुत सुविधाजनक है क्योंकि इससे अटेंशन डिवाइड होता है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी, महंगाई, नीट पेपरलीक, 12वीं के छात्रों की परेशानियों आदि के बीच जब जिमखाना जैसे मुद्दे आ जाते हैं तो सरकार के लिए ठीक ही रहता है। हो सकता है कि इसे हटाने का फैसला पहले से किया गया हो। लेकिन नोटिस भेजने की टाइमिंग तो निश्चित रूप से अटेंशन डिवाइड करने की योजना का हिस्सा है।

यह बहुत दिलचस्प है कि जिमखाना क्लब हटाने के पक्ष में जो तर्क दिए जा रहे हैं वो बेहद लचर और बचकाने हैं। जैसे सबसे मजबूत तर्क यह है दिल्ली के एलिट लोगों का, विशेषाधिकार प्राप्त समूह का क्लब है, जहां आम आदमी की एंट्री नहीं है। और इसलिए इसका कोई वास्तविक लाभ नहीं है। इस तर्क के आधार पर तो दिल्ली के सारे क्लब बंद हो जाएंगे क्योंकि सब अभिजात्य और विशेषाधिकार प्राप्त समूहों के लिए ही हैं। कस्तूरबा गांधी मार्ग पर एक और विनय मार्ग पर दो बड़े क्लब हैं। सीएसओई क्लब, जो दिल्ली और भारत सरकार के अधिकारियों के लिए हैं। वहां भी आम आदमी की एंट्री नहीं होती है। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और इंडिया हैबिटेट सेंटर में भी आम आदमी की एंट्री नहीं होती है। रायसीना रोड पर चेम्सफोर्ड क्लब और जनपथ पर मैसोनिक क्लब में भी आम आदमी नहीं जा सकता है। दिल्ली गोल्फ क्लब भी एक्सक्लूसिव है, एयरपोर्ट ऑथोरिटी का क्लब और रफी मार्ग पर स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब भी विशिष्ठ लोगों के लिए ही है। तो क्या इस आधार पर कि इन क्लबों में कुछ सार्थक नहीं होता है, ये मनोरंजन की जगह हैं और आम आदमी की एंट्री नहीं होती है इसलिए इन सबको हटा दिया जाए? पूर्व सांसदों के लिए संसद से लेकर कांस्टीट्यूशन क्लब तक बैठने की जगह है, पूर्व सैन्य अधिकारियों के लिए सशस्त्र बलों के मेस हैं और अध र्सैनिक बलों के लिए भी है लेकिन पूर्व अधिकारियों के लिए कोई एलीट क्लब नही हो सकता है!

इसी तरह का एक तर्क ब्रिटिश काल में बने होने का है। इसका क्या अर्थ है? ब्रिटिश काल में बना था तो क्या अंग्रेज इसके लिए अपनी जमीन, अपना ईट, बालू, सीमेंट लेकर आए थे? क्या उनके मजदूर इसे बनाने आए थे? भारत की जमीन पर, भारत के पैसे से, भारत के मजदूरों के खून, पसीने से ही इसका निर्माण हुआ। अगर इस तर्क को मानें कि अंग्रेजी राज की सारी निशानी मिटा देनी है तो फिर लुटियन की दिल्ली के सारे बंगलों को भी तोड़ना पड़ेगा। इंडिया गेट से लेकर गेटवे ऑफ इंडिया तक को ध्वस्त करना होगा। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया से लेकर महापंजीयक तक की संस्थाओं को समाप्त करना होगा क्योंकि वह सब भी अंग्रेजों ने बनाया था।

एक बेहूदा तर्क यह है कि जिमखाना क्लब दारू का अड्डा है और प्रध ानमंत्री के आवास के पास ऐसा अड्डा नहीं चलने दिया जा सकता है। यह तर्क सरकार के एक सलाहकार महोदय की ओर से सबसे जोर शोर से दिया जा रहा है। अगर दारू का अड्डा के नाम पर इसे हटाने का फैसला होगा तो प्रेस क्लब और चेम्सफोर्ड क्लब का क्या होगा, जो संसद भवन के ठीक सामने हैं? प्रधानमंत्री आवास से ज्यादा शुचिता तो संसद भवन की होनी चाहिए! इस तर्क से तो सशस्त्र बलों से लेकर अर्धसैनिक बलों के लिए बने मेस तक को दारू का अड्डा घोषित किया जा सकता है। क्या सलाहकार महोदय को पता है कि और लुटियन की दिल्ली के अनेक बंगले होंगे, जहां दारू पी जाती होगी या दारू पार्टी होती होगी। कई बंगले प्रधानमंत्री आवास के आसपास ही होंगे। तो क्या इस आधार पर सबको तोड़ दिया जाए? वैसे यह सवाल भी है कि अगर अधिकारियों, पूर्व अधि कारियों या एलीट के लिए 27 एकड़ का क्लब नहीं हो सकता है तो केंद्र सरकार के मंत्री तीन तीन एकड़ के बंगलों में क्यों रहेंगे? उस जगह का भी तो सार्वजनिक इस्तेमाल हो सकता है!

हां, सुरक्षा का मामला हो सकता है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा सबसे ऊपर है। अब स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप यानी एसपीजी सिर्फ प्रध ानमंत्री की ही सुरक्षा के लिए है। पहले तो पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिजनों को भी एसपीजी की सुरक्षा मिलती थी लेकिन अब यह सिर्फ प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए है। यह संयोग है कि आजादी के बाद से प्रधानमंत्री वहीं रहे, जहां जिमखाना क्लब है। तीन मूर्ति हो या एक, सफदरजंग हो या सात, लोक कल्याण मार्ग हो, सब जिमखाना के आसपास ही हैं और कभी इसकी वजह से कोई सुरक्षा चुनौती पैदा हुई हो इसकी खबर नहीं है। ऊपर से प्रधानमंत्री तो अब वहां से शिफ्ट भी होने वाले हैं। प्रधानमंत्री इन्क्लेव का निर्माण कार्य चल रहा है, जो 15 एकड़ में बन रहा है। इसलिए सुरक्षा का मामला भी ज्यादा तार्किक नहीं लग रहा है।

कुल मिला कर कर निष्कर्ष यह है कि प्रधानमंत्री को लगा कि जिमखाना बंद कर देना चाहिए तो बंद हो जाएगा। जैसे यह लगा कि नया संसद भवन बनना चाहिए तो बना। लगा कि इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर ऑफ आर्ट एंड कल्चर या निर्माण भवन आदि टूटने चाहिए तो सब टूट गए। योजना आयोग का नाम नीति आयोग होना चाहिए तो हो गया। यह तो प्रधानमंत्री की मर्जी है। कभी किसी प्रधानमंत्री को लगेगा कि ललित कला अकादमी या संगीत नाटक अकादमी या साहित्य अकादमी आदि अनुत्पादक जगहें हैं और एलिट जमात के बौद्धिक विलास का अड्डा हैं तो वह उनको तुड़वा देगा। उनकी जगह अपने हिसाब से वह कुछ ज्यादा उपयोगी निर्माण कराएगा। यह सब तो चलता रहता है। इससे समस्या नहीं है। समस्या इसको जस्टिफाई करने के लिए दिए जाने वाले तर्कों से है।

दूसरी ओर जिमखाना क्लब न हटाया जाए इसके तर्क भी बहुत बचकाना और अतार्किक हैं। उनमें कोई दम नहीं है। वहां खेल कूद का आयोजन होता है या 50 फीसदी सदस्य सेना के रिटायर लोग हैं या सरकार से रिटायर लोग वहां के सदस्य हैं, यह ऐतिहासिक है आदि आदि। इनका कोई अर्थ नहीं है। हां, यह अवश्य है कि हजारों साल से नगर सभ्यताओं में इस तरह के क्लब या मनोरंजन की जगहें बनती रही हैं। रोम का कोलोसियम तो मानव सभ्यता के सबसे अमानवीय मनोरंजन माध्यम की जगह था, जहां रोम के अमीर लोग ग्लैडियटर्स की लड़ाई देखने जाते थे। लेकिन हजारों साल से उसे भी संभाल कर रखा गया है और दुनिया भर के लोग उसे देखने जाते हैं। सिंधु घाटी की सभ्यता में सामूहिक स्नानागार थे, संभ्रात लोगों के लिए थे।

"फ्लेक्सिबल जियोपालिटिक्स" के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ

सवाल है कि आखिर इससे किसका भला होगा? तो इसके कई जवाब होंगे, जिनमें पहला है महाशक्तियों का सबसे अधि क लाभरू संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और आंशिक रूप से रूस–भारत जैसी शक्तियाँ इस नीति से सबसे अधिक फायदा उठाती हैं। पूर्वक सवाल है क्यों? तो सीधा सा जवाब है कि वे परिस्थितियों के अनुसार गठबंधन बदल सकती हैं।ष्लचीली भूराजनीति" यानी फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स का जन्मदाता भारत की देखा–देखी अब पूरी दुनिया में इसका प्रचलन बढ़ रहा है। इसे मोदी डॉक्ट्रिन कहना ज्यादा उचित होगा, जो गुटनिरपेक्षता का हाइब्रिड पालिसी संस्करण है। आम कहानी वाली भाषा में कहें तो "खुल जा सिमसिम और बंद हो जा सिमसिम" वाली वैश्विक कूटनीति ही अब लचीली भूराजनीतिक बन चुकी है।

दरअसल, फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स यानी लचीली भूराजनीति का अर्थ ऐसी अवसरवादी विदेश नीति से है, जिसमें देश अपने हित के अनुसार कभी दोस्ती का दरवाजा खोलते हैं और कभी तुरंत बंद कर लेते हैं। आज की दुनिया में यही "फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स" तेजी से बढ़ रही है।जिसके सफल उपयोगकर्ता टीम पीएम मोदी हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ भारत जैसे उन देशों को होता है जो आर्थिक रूप से शक्तिशाली हों, तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर हों, सैन्य रूप से सक्षम हों, और बहुध्रुवीय दुनिया में संतुलन साधना जानते हों। यही वजह है कि भारत इसे अपनाकर दुनिया के शीर्षस्थ देशों की कतार में शामिल होने की दिशा में बढ़ता जा रहा है।सवाल है कि आखिर इससे किसका भला होगा? तो इसके कई जवाब होंगे, जिनमें पहला है महाशक्तियों का सबसे अधिक लाभरू संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और आंशिक रूप से रूस–भारत जैसी शक्तियाँ इस नीति से सबसे अधिक फायदा उठाती हैं। पूर्वक सवाल है क्यों? तो सीधा सा जवाब है कि वे परिस्थितियों के अनुसार गठबंधन बदल सकती हैं। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और तकनीकी नियंत्रण का इस्तेमाल कर सकती हैं। "मित्र" और "प्रतिद्वंद्वी" दोनों से व्यापार जारी रख सकती हैं। उदाहरणरू अमेरिका, चीन से प्रतिस्पर्धा भी करता है और व्यापार भी। चीन रूस का साझेदार है लेकिन पश्चिमी बाजार भी नहीं छोड़ना चाहता। वहीं, रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद एशियाई देशों से संबंध मजबूत कर रहा है।दूसरा, मध्यम शक्तियों का भी फायदारू भारत, तुर्किये, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश "मल्टी–अलाइनमेंट" नीति से लाभ उठा रहे हैं। भारत इसका बड़ा उदाहरण है, जो क्वाड (फनंक) में भी है, ब्रिक्स (ठत्प्ब्) में भी, रूस से रक्षा सहयोग भी रखता है, और अमेरिका से तकनीकी साझेदारी भी बढ़ाता है। इससे रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहती है, निवेश कई दिशाओं से आता है, और वैश्विक मंचों पर प्रभाव बढ़ता है।तीसरा, कॉर्पोरेट और टेक कंपनियों को बड़ा लाभरू एप्पल (।चचसम), टेस्ला (ज्मेसं), माइक्रोसॉफ्ट (डपबतवेवजि) जैसी वैश्विक कंपनियाँ देशों की प्रतिस्पध र्ा का लाभ उठाती हैं। क्योंकि देश उन्हें निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स छूट देते हैं, सप्लाई चेन अपने यहाँ लाने की कोशिश करते हैं, ।

आज का राशिफल

मेष राशि–
मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी।

वृष राशि–
वृष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

मिथुन राशि–
मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है।

कर्क राशि–
कर्क राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज पैसों के लेन देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

सिंह राशि–
सिंह राशि वालों आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या राशि–
कन्या राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा।

तुला राशि–
तुला राशि वालों आज का दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

वृश्चिक राशि–
वृश्चिक राशि वालों आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं।

धनु राशि–
धनु राशि वालों आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी।

मकर राशि–
मकर राशि वालों आज आपका दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है।

कुंभ राशि–
कुंभ राशि वालों आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे।

मीन राशि–
मीन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है।

जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में भाजपा के बारह साल विश्वास विकास व जनकल्याण के कार्यशाला हुई सम्पन्न

मीरजापुर । आज दिनांक 29 मई 2026 को भारतीय जनता पार्टी बरैधा कचार मीरजापुर के सभागार में राष्ट्रीय नेतृत्व एव प्रदेश नेतृत्व

के निर्देशानुसार भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज जी की अध्यक्षता में "बारह साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के" अभियान की कार्यशाला सम्पन्न हुई । कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि जिला प्रभारी श्रीमती सरोज कुशवाहा जी रही । मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि हम सभी के लिए यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी "राष्ट्रप्रथम" के संकल्प के साथ निरंतर प्रधानमंत्री के रूप में सेवा दे रहे हैं । मा0 मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में एनडीए सरकार के ऐतिहासिक उपलब्धियों से परिपूर्ण 12 वर्ष 07 जून 2026 को पूर्ण हो रहे हैं । आगे उन्होंने यह भी कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 मोदी जी के नेतृत्व में सरकार ने गरीब, शोषित एवं वंचित वर्गों के कल्याण हेतु उल्लेखनीय कार्य किए हैं । विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को लाभान्वित कराना, नारी शक्ति का सशक्तिकरण तथा देश का समग्र विकास हमारी प्रमुख उपलब्धियाँ रही हैं । वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में परिवर्तित करते हुए सरकार विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रही है । आगामी दिनों में मा0 प्रधानमंत्री जी देश के सबसे लंबे समय तक निरंतर निर्वाचित रहने वाले प्रधानमंत्री बनेंगे और जनसेवा के अपने सार्वजनिक जीवन में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित करेंगे । आगे अपने वक्तव्य में बताया कि "बारह साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के" पूर्ण होने पर 05 जून से 21 जून 2026 तक निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगेरूकृ विश्व पर्यावरण दिवस, मीडिया संवाद, जन कल्याण शिविर, विकसित भारत संकल्प सम्मेलन, मोदी सरकार एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की प्रदर्शनी, प्राकृतिक खेती कार्यशाला, विशेष जन सम्पर्क एवं अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आदि कार्यक्रम किये जायेंगे । कार्यशाला के संयोजक एवं संचालन जिला उपाध्यक्ष रवीन्द्र नारायण सिंह ने किया ।

कार्यशाला में प्रमुख रूप से मा0 विधायक मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, मा0 विधायक नगर पं0 रत्नाकर मिश्र, जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कन्नौजिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी, जिला उपाध्यक्ष शरदिन्दुमणि त्रिपाठी हेमन्त, गौरव ऊमर, चिन्तामणि मौर्या, इन्द्र कुमार सिंह, सुनीता शर्मा, बैजनाथ प्रजापति, जिला महामंत्री रवि शंकर पाण्डेय, स्वामीनाथ सिंह, जिलामंत्री विजय सिंह पटेल, रोहित त्रिपाठी, संध्या पटेल, आलोक सिंह, अनिल सिंह, पुनम चौरसिया, जिला कोषाध्यक्ष चन्द्रांशु गोयल, जिला मीडिया प्रभारी पं0 भावेश शर्मा, जिला आईटी संयोजक अमित कुमार सिंह, सोशल मीडिया संयोजक आनन्द मैनी के साथ मण्डल प्रभारीगण, मण्डल अध्यक्षगण एवं ब्लॉक प्रमुखगण के साथ जिला मीडिया सह प्रभारी विजय शक्ति दूबे एवं रतन कुमार सिंह उपस्थित रहे ।

ड्रमंडगंज वन रेंज के जंगल में पुनः लगी आग, तीन दिनों से सुलग रहा वन जंगल, महकमा चैन की बंसी बजाए जा रहा

मीरजापुर। यूपी के मीरजापुर में जंगल में आग लगने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। एक सप्ताह पूर्व लगी आग की घटना को लोग भूल भी नहीं पाएं थे कि दूसरी बार लगी आग ने सभी को चिंतित कर रखा है।ड्रमंडगंज वन रेंज अन्तर्गत बबुरारघुनाथ सिंह के मूर्तिहवा जंगल में लगी भीषण आग तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रही है। ग्रामीणों के मुताबिक ड्रमंडगंज वन रेंज अन्तर्गत कंपार्टमेंट 8 के पैच नंबर 1 में तकरीबन 15 हेक्टेयर जंगल में जहां की बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया गया था, सोमवार को दोपहर में लगी आग बुधवार सुबह तक बुझाई नहीं जा सकी थी। आग इतनी विकराल थी कि सारे पौधे जलकर राख हो चुके हैं। आग की लपटे बुधवार को भी देखने को मिली हैं। हालांकि देर शाम तक आग को बुझाने का दावा किया गया है। वहीं कुछ वनकर्मियों ने नाम ना छापे जाने की शर्त पे बताया कि तकरीबन 15 हेक्टेयर वन क्षेत्र में आग लगने से पेड़ पौधे जल कर राख हो चुके हैं। आश्चर्य कि बात है अभी तक न तो किसी वन कर्मी की इधर नजर गई है ना ही संबंधित बीट के वाचर या अन्य जिम्मेदार लोगों की जिसका परिणाम यह रहा है कि दूर से ही जंगल से धूंआ उठता हुआ दिखाई दे जा रहा है। सोमवार को दोपहर लगी आग बुधवार सुबह तक जारी रहा है जहां संबंधित रेंजर के नहीं पहुंचने पर ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया है। गौरतलब है कि यूपी–एमपी सीमा से लगे ड्रमंडगंज वन रेंज अन्तर्गत पिछले सप्ताह मंगलवार को करनपुर मड़वा धनावल के जंगल में आग लगने से तीन दि तक जंगल जलता रहा है। जिसपर तीसरे दिन किसी तरह से जाकर काबू पाया गया था। जिसके पांचवें दिन पुनः ड्रमंडगंज वन रेंज अन्तर्गत बबुरारघुनाथ सिंह के मूर्तिहवा जंगल में लगी आग तीसरे दिन भी जारी होने से जंगलों और वन्य प्राणियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं कि प्रति वर्ष लाखों करोड़ों रुपए पौधरोपण से लगाय उनकी सुरक्षा पर खर्च होने के बाद भी आग के नाम पर कब तक जंगल खाक में मिलते रहेंगे। मजे कि बात है आग लगने के बाद जवाबदेही से बचते हुए आए अधिकारी और कर्मचारी यह कहकर तो पल्ला झाड़ लेते हैं कि किसी ने बीड़ी–सिगरेट पीकर फेंक दिया होगा जिससे आग लगी होगी और बाद में आसपास के ग्रामीणों को ही बलि का बकरा बना दिया जाता है ऐसे में सवाल पुनः खड़ा होता है कि तो फिर यह भारी भरकम खर्च और वन सुरक्षा के नाम पर मौज काटते हुए आएं वह अधिकारी और कर्मचारी जो अंदर ही अंदर कंबल ओढ़े घी पी रहे हैं वह क्या करते हुए आएं हैं ताकि आगलगी की घटनाओं पर अंकुश पाया जा सके?

बढती महंगाई, परीक्षाओं में धांधली सहित जनहित के 9 सूत्रीय मांगो को लेकर गरजे समाजवादी, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

भाजपा सरकार सभी मोर्चो पर विफल - महेन्द्रनाथ यादव

बस्ती । को समाजवादी पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने तपती गर्मी के बीच बढती मंहगाई, पेट्रोल डीजल, सीएनजी के दामों में वृद्धि, यूरिया खाद के संकट, नीट परीक्षा में धांधली, सीबीएसई रीक्षा में सवाल पूंछने पर छात्रों को पाकिस्तानी बता देने, बढती बेरोजगारी, बिजली कटौती, स्मार्ट मीटर के नाम पर धांधली सहित जनहित के 9 सूत्रीय मांगों को लेकर सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के नेतृत्व में राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से भेजा ।ज्ञापन सौंपने के बाद सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि अमेरिका, इजराइल, इरान युद्ध के नाम पर देश में सुनियोजित ढंग से मंहगाई को बढाया जा रहा है। परीक्षाओं में धांधली से छात्र परेशान हैं। यह सरकार हर मोर्चे पर विफल है। यदि शीघ्र समाधान न हुआ तो आने वाले दिनों में मुश्किलें और बढ जायेंगी। कहा कि अब तो संघर्ष का ही रास्ता बचा है।पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल ने कहा कि जनहित के सवालों को लेकर समाजवादी निरन्तर संघर्ष कर रहे हैं किन्तु केन्द्र और यूपी की सरकार चुप्पी साधे हुये हैं। भाजपा नफरत फैला कर बुनियादी सवालों से बच रही है। ऐसे में जनता को आगे आकर संघर्ष तेज करना होगा ।राज्यपाल को भेजे 9 सूत्रीय ज्ञापन में महंगाई, बिजली संकट, कानून व्यवस्था, किसानों के बकाया भुगतान और महिलाओं की सुरक्षा, पेट्रोल–डीजल और घरेलू गैस की लगातार बढ़ती कीमतों सहित जनता से जुड़े अनेक मुद्दे शामिल हैं ।सपा नेताओं ने जिले में हो रही लगातार बिजली कटौती और जले ट्रांसफार्मरों को समय से न बदले जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में बिजली संकट से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है तथा बुजुर्गों और मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ।ज्ञापन में नीट परीक्षा पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग भी उठाई गई। साथ ही जनगणना कार्य में लगाए गए शिक्षकों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी नजदीकी क्षेत्रों में लगाने की मांग की गई, ताकि सीमित ईंधन उपलब्धता के बीच उन्हें राहत मिल सके ।समाजवादी पार्टी ने वाल्टरगंज एवं अठदमा चीनी मिल से जुड़े किसानों और कर्मचारियों के लंबित भुगतान को शीघ्र जारी करने, जिले में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर रोक लगाने, महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की भी मांग की। सपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनता की समस्याओं को लेकर पार्टी लगातार संघर्ष करती रहेगी और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी ।ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से धीररसेन निषाद, चन्द्र प्रकाश चौधरी, जावेद पिण्डारी, मो. स्वालेह, राम सिंह यादव, अरविन्द सोनकर, युनूस आलम, भोला पाण्डेय, रहमान सिद्दीकी, अखिल यादव, मोनू यदुवंश, मो. सलीम, समीर चौधरी, हिमांशु सिंह 'रानू', रिन्टू यादव, रन बहादुर यादव, मो. सलीम, अरविन्द यादव, राजेन्द्र चौधरी, विजय व्रिकम आर्या, राजाराम यादव, निजामुद्दीन, राजेन्द्र चौरसिया, राहुल सोनकर, विशाल सोनकर, मोहम्मद नसीम, डी.के., सुरेन्द्र सिंह 'छोटे', तूफानी यादव, सुशील यादव, भोलू अंसारी, प्रमोद यादव, प्रशान्त यादव, गुलाब सोनकर, हनुमान चौधरी, राजमोहन चौधरी, अकुर गौतम, रितिक कुमार, कुलदीप मौर्य, गौरीशंकर यादव, दिनेश तिवारी, पंकज कुमार गौतम, रमेश गौतम के साथ ही बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

गोरखपुर के महायोगी गुरु गोरखनाथ घाट पर मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया।

लखनऊ प्राप्त जानकारी के मुताबिक राप्ती नदी में डूबे तीनो शवों की पहचान हासूपुर बर्डघाट रामलीला मैदान निवासी निक्कू (पुत्र सुधीर), तुर्कमानपुर निवासी इरफान (पुत्र फकरुद्दीन) और शक्ति कुमार (पुत्र मोहन प्रसाद) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब तीन बजे तीनों बच्चे गोरखनाथ घाट पर स्नान कर रहे थे। इसी दौरान वे तैरते–तैरते गहरे पानी में चले गए और डूब गए।घटना की सूचना मिलते ही घाट पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। जिला प्रशासन और पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। उसी घाट पर प्रशिक्षण ले रही एनडीआरएफ टीम ने काफी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों को नदी से बाहर निकाला। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।मौके पर सदर एसडीएम दीपक गुप्ता समेत पुलिस और प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एसपी सिटी निमिष पाटिल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पिछले कई दिनों से नदियों में डूबने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। प्रशासन द्वारा सभी प्रमुख घाटों पर चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, गोरखनाथ घाट पर भी बोर्ड लगा हुआ है, लेकिन इसके बावजूद लोग और बच्चे नदी में स्नान कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि पुलिस–प्रशासन लोगों को जागरूक करने और नदी में स्नान से रोकने के लिए लगातार अभियान चलाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया।राप्ती नदी में तीन बच्चों के डूबने की घटना पर सीएम योगी ने जताया दुख'

राप्ती नदी में मंगलवार शाम को नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से हुई मौत की घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख व्यक्त किया है।मुख्यमंत्री ने हादसे का संज्ञान लेते हुए मृत बच्चों के परिजनों के प्रति गहरा संवेदना प्रकट करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पीड़ित परिवारों से संवाद स्थापित कर, शासन से अनुमन्य सहायता यथाशीघ्र उपलब्ध कराई जाए। सीएम योगी ने बच्चों की डूबकर हुई मौत की घटना को अत्यंत दुखद व हृदयविदारक बताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति और परिजनों को अथाह दुख सहन करने की शक्ति देने के लिए प्रभु श्रीराम तथा गुरु गोरक्षनाथ से प्रार्थना की है।

भू-माफियाओं ने पति को मारा पीटा: पीड़िता ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के सरायघाट उर्फ लालगंज में जमीनी विवाद को लेकर घर में घुसकर मारपीट का मामला सामने आया है। निशा देवी पुत्री सूर्यलाल ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अपने परिवार के जान माल की रक्षा और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है। एसपी को दिये पत्र में निशा देवी ने कहा है कि वह चार बहने है। वह अपने पिता की सबसे छोटी संतान है । वह अपने माता विधाता देवी तथा पिता सूर्यलाल के साथ लालगंज में रहते हुए अपने माता पिता की सेवा कर रही है उक्त जमीन जायदाद रामधनी का था जो उसको दिये थे। इसी दौरान उनकी माता के नाम दर्ज जमीन कुछ लोग कब्जा करने लगें। तब उसके पिता भी सूर्यलाल ने संजीत पुत्र रामपलट विश्वकर्मा साकिन जिगिना देवा थाना लालगंज जिला बस्ती से मदद मांगने लगे। मदद के नाम पर संजीत ने उसके पिता सूर्यलाल को अपने मुट्ठी में कर लिये और खेत व्यापार का मैनेजमेन्ट शुरू कर दिया । संजीत ने उसे औरे परिवार को लालगंज से मारपीट कर निकालने का प्रयास शुरू कर दिये । उसकी सगी मां के नाम जो भी खेत जमीन लालगंज बाजार में थी उनकी कीमत लगभग पांच करोड है जिसको संजीत और संदीप व अरुण और अजय वर्मा तथा चार पांच अन्य गोल बनाकर अपहरण करके एक ही दिन में बैनामा करा लिए। विधात्ता देवी को एक ही दिन में सात बैनामा लिखने की कोई आवश्यकता नहीं थी। कोई रूपया नहीं दिया गया है। संजीत और अरूण आदि भूमाफिया है । उन लोगों ने गत 25 मई को उसे घर में घुस कर मारा–पीटा । उसके पति के सीने पर अभी भी नीला निशान है जमीन जायदाद बेचने की कोई वजह होती है। उसके माता पिता 80 –82 साल के है और उनका अपहरण करके उन्हें कही जबरिया रोक रखा गया है। उक्त लोग लालगंज बाजार स्थित उसके के घर का सारा सामान सोना चांदी रूपया पैसा लाकर तोडकर उठा ले गये। कापी किताब कास्मेटिक की दुकान का सामान भी उसे भी उठा ले गये ।

कमाऊ पूत अंगद के असामयिक मौत से घर में मचा कोहराम।

बस्ती अंगद की असामयिक मृत्यु से घर व पुरानी बस्ती मोहल्ले में कोहराम मचा रहा। अंगद मछली बेचने का काम करता था। वह गोरखपुर से मछली लाकर दक्षिण दरवाजा, रामपुर व सोनूपार चौराहे पर बेचता था। बीते फरवरी महीने में बनकटी के देईपार खोरिया की युवती साधना से उसने प्रेम विवाह किया था। पत्नी का रो रो कर बुरा हाल था। लोगों से कह रहीं थी कि अब मैं क्या करूं, कौन मेरा सहारा बनेगा। दिवंगत की मां गुडडी देवी और पिता सूरज गुप्ता के आंखो के आंसू सूख चुके थे। भाई पवन व बहनें सोनी व शिवानी सदमें में हैं।गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष पर मारपीट, जान से मारने की धमकी का आरोपपीड़ित ने एसपी से लगाई न्याय की गुहारतहरीर के आधार पर जांच में जुटी पुलिस बस्ती शहर में एक मोहल्ले में जान से मारने की धमकी व मारपीट का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के एक उपाध्यक्ष पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी से न्याय की गुहार लगाई है और आरोपितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित विवेक त्रिपाठी निवासी तुरकहिया, कोतवाली ने एसपी को दी गई लिखित शिकायत में आरोप लगाया है कि गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष व उनके परिवार के सदस्यों ने उनके व पिता और घर की महिलाओं के साथ न केवल अभद्र व्यवहार किया, बल्कि उनके साथ मारपीट भी की। पीड़ित का आरोप है कि घटना के दौरान आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी, जिससे वे और उनका परिवार भारी दहशत में है। पीड़ित ने घटनाक्रम का विस्तृत विवरण देते हुए प्रशासन से अपनी सुरक्षा की भी गुहार लगाई है। इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है।हालांकि दैनिक जागरण समाचार पत्र इस वीडियो फुटेज की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। इस मामले के संबंध में जब शहर कोतवाल से संपर्क किया गया, तो उन्होंने बताया कि तहरीर प्राप्त हो चुकी है। कोतवाल मोतीचंद ने स्पष्ट किया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस पूरी निष्पक्षता के साथ जांच कर रही है।

साक्ष्य के अभाव में दुष्कर्म के आरोपितों को मिला संदेह का लाभ

अभियोजन पक्ष साबित नहीं कर सका गुनाह साक्षियों के बयानों में पाया गया विरोधाभास

बस्ती अदालत ने दुष्कर्म के एक मामले में फैसला सुनाते हुए साक्ष्य के अभाव में दोनो आरोपितों को बरी कर दिया है। अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश अनन्य न्यायालय (पाक्सो एक्ट) के न्यायाधीश अनिल कुमार ने अपने निर्णय में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपितों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में पूरी तरह विफल रहा है। मामले की सुनवाई के दौरान पेश किए गए सबूत और गवाहों के बयानों में विरोधाभास पाए जाने के बाद अदालत ने आरोपितों को संदेह का लाभ देते हुए बाइज्जत बरी करने का आदेश दिया। यह मामला अक्टूबर 2017 का है। किशोरी अपने घर से बिना बताए मेला देखने गोंडा के लिए निकली थी। पीड़िता की मां ने पुरानी बस्ती थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में आरोपित मदन प्रसाद निवासी बाओलिया, थाना दुधारा, संतकबीरनगर व किस्मत अली निवासी भिरियादीगर, थाना रुधौली, बस्ती पर अपहरण, दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट के तहत गंभीर आरोप लगाया गया था। बचाव पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता फौजदारी रामकृपाल चौधरी ने जिरह के दौरान साक्ष्यों और उनके गवाहों के बयानों में विसंगतियों को उजागर किया। कहा कि न्यायालय ने निष्पक्षता के साथ साक्ष्यों का मूल्यांकन किया है। हमें शुरू से ही अपने मुवक्किलों की बेगुनाही पर भरोसा था। सुनवाई के दौरान, अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए साक्ष्य अदालत को आश्वस्त करने के लिए पर्याप्त नहीं थे। अदालत ने पाया कि घटनाक्रम और आरोपितों की संलिप्तता को साबित करने के लिए जो साक्ष्य प्रस्तुत किए गए थे,

आंधी तूफान से पेड़,विद्युत पोल गिरने की सूचना पर शुक्लहा वार्ड पहुचे नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी

मीरजापुर।शुक्लहा वार्ड में देर रात आए तेज आंधी–तूफान के कारण कई पेड़ गिर गया जिसके कारण खड़ेई रिक्शा,विद्युत पोल आदि क्षतिग्रस्त हो गया,स्थानीय

लोगों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा।पेड़ गिरने की सूचना पर नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया,उन्होंने तत्काल गिरे पेड़ को हटवाने का अधिकारियों को निर्देश दिया और पेड़ गिरने से हुए नुकसान को लेकर हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।इसके बाद उन्होंने जी.आई.सी. मैदान के पास स्थित कूड़ा डिपो का स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा सफाई व्यवस्था में सुधार हेतु सफाई इंस्पेक्टर को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया।कच्ची सड़क स्थित निर्माणाधीन कुएँ के सौंदर्यीकरण कार्य का भी उन्होंने निरीक्षण किया।ब्रह्मचारी का कुआँ स्थित अखाड़े का भी स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देशित किया।

इस अवसर पर राजेश सोनकर,कमलेश मौर्य,विजय शंकर गुप्ता,गोवर्धन यादव,सत्यनारायण जायसवाल,सीएसआई मनोज सेठ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दयानंद शिक्षा संस्थान में मेधावियों का सम्मान, वक्ताओं ने कहा- शिक्षा से ही संभव है जीवन का सर्वांगीण विकास

बेलसर(गोण्डा) दयानंद शिक्षा संस्थान इंटर कॉलेज मंगुरा में मेधावी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर व माल्यार्पण कर समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट अंक हासिल करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक अमदही के शाखा प्रबंधक देवव्रत गुप्त ने कहा कि शिक्षा ही समाज की असली ताकत है। यह न केवल व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है, बल्कि विषम परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की क्षमता भी प्रदान करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे केवल अंकों के पीछे न भागें, बल्कि ज्ञान को आत्मसात करें, क्योंकि मेहनत से अर्जित की गई शिक्षा कभी व्यर्थ नहीं जाती। विशिष्ट अतिथि भारतीय स्टेट बैंक मंगुरा के शाखा प्रबंधक अतुल कुमार द्विवेदी ने कहा कि प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती। ग्रामीण अंचल के बच्चों ने सीमित संसाधनों में जो मुकाम हासिल किया है, वह सराहनीय है। ऐसे सम्मान समारोहों से मेधावियों के अंदर आगे भी अच्छा प्रदर्शन करने का उत्साह बढ़ता है और दूसरे बच्चों को भी इससे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। मंगुरा चौकी प्रभारी अभिलेख तिवारी ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि शिक्षा के बिना जीवन में विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। अनुशासन और सही शिक्षा ही युवाओं को सही रास्ते पर ले जाती है। आज के डिजिटल युग में छात्र अपनी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर देश और समाज के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। हाईस्कूल टॉपर में अनीता शुक्ला , सोनी गुप्ता , अंकु शुक्ला , गुड़िया शुक्ला, प्रिंस तिवारी और प्रियांशु मिश्रा को और इंटरमीडिएट टॉपररू अंशी शुक्ला शिवम गुप्ता , सौरभ शुक्ला , आस्था उपाध्याय और अनुभव को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य प्रतिभा तिवारी ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का सफल संचालन बृजेश कुमार शुक्ल ने किया। इस दौरान रमेश पांडेय, एमपी मिश्र, शिव शंकर नाथ मिश्र, सुनील, राकेश, आदर्श, विशाल, अजय, ललिता, रेनू, लक्ष्मी, सुनीता सहित अभिभावक व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से मंगलसूत्र बरामद

गोण्डा । थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0–474/2026 धारा 304(2) बीएनएस से सम्बन्धित आरोपी अभियुक्त–अजय उर्फ कालिया पुत्र स्व0 रामचंद्र निवासी मोहल्ला राधे पूर्व निकट कब्रिस्तान थाना कोतवाली नगर जनपद गोण्डा को एचसीपीएम चौकी के पास से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 अदद मंगल सूत्र पीली धातु का बरामद किया गया।

मिली जानकारी के मुताबिक वादिनी काजल पासवान पत्नी सन्तोष पासवान निवासी ग्राम टेढवा गुलाम थाना इटियाथोक जनपद गोण्डा द्वारा थाना कोतवाली नगर में लिखित तहरीर दी गयी कि दिनांक 25.5.2026 को समय करीब 3 बजे दोपहर ठठेरी बाजार से सामान खरीदकर वापस जाते समय गुड्डू मल चौराहे के पास एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके गले में पहना लाल रंग के मोतियों वाला मंगलसूत्र झपट्टा मारकर छीन लिया गया तथा मौके से फरार हो गया। वादिनी की लिखित तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली नगर में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना के अनावरण हेतु थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन अवलोकन किया गया तथा घटना का सफल अनावरण करते हुए बुधवार को घटना कारित करने के आरोपी अभियुक्त अजय उर्फ कालिया को एच0सी0पी0एम0 चौकी के पास से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 अदद मंगल सूत्र पीली धातु का बरामद किया गया।

पुण्यतिथि पर प. जवाहरलाल नेहरू एवं माता रमाबाई अंबेडकर को कांग्रेसियों ने श्रद्धांजलि दी

गोण्डा। शहर कांग्रेस कमेटी गोंडा के तत्वावधान में आज कांग्रेस भवन में आधुनिक भारत के निर्माता प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू एवं माता रमाबाई अंबेडकर की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उसके उपरांत विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए शहर अध्यक्ष सभासद शाहिद अली कुरैशी ने कहा, ष्पंडित नेहरू ने आईआईटी, एआईआईएमएस व भाखड़ा नांगल जैसे बांध बनाकर देश की नींव रखी। वहीं माता रमाबाई अंबेडकर ने घोर गरीबी और संघर्ष में रहकर भी बाबा साहेब को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया व परिवार संभाला।

कोई नीति विषयक निर्णय नहीं लेंगे ग्राम पंचायत के प्रशासक

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने बताया कि सामान्य पंचायत निर्वाचन 2021 के पश्चात गठित ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 26 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। उप्र पंचायतराज अधिनियम 147 की धारा 12 की उपधारा (3–क) में प्रावधान है कि इस अधिनियम के किन्ही अन्य उपबन्धों में किसी बात के होते हुए भी जहां अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण या लोकहित में किसी ग्राम पंचायत का संघटन करने के लिए उसके कार्यकाल के अवसान के पूर्व निर्वाचन कराना साध्य नहीं है, वहां राज्य सरकार या उसके द्वारा इस निमित्त, प्राधि.त कोई अधिकारी, आदेश द्वारा, प्रशासनिक समिति, जिसमें ग्राम पंचायत के सदस्यों के रूप में निर्वाचित किये जाने के लिए, ऐसी संख्या में जैसी वह उचित समझे, अर्ह व्यक्ति होंगे या प्रशासक नियुक्त कर सकता है और प्रशासनिक समिति के सदस्य या प्रशासक छह माह से अनधिक ऐसी अवधि के लिए उक्त आदेश में विर्निदिष्ट की जाए, पद धारण करेगा और ग्राम पंचायत, उसके प्रधान और समितियों की समस्त शक्तियां, .त्य और कर्तव्य, यथास्थिति, ऐसी प्रशासनिक समिति या प्रशासक में निहित होंगें और उनके द्वारा उनका प्रयोग, सम्पादन और निर्वहन किया जायेगा।

शासनादेश में उल्लिखित है कि ग्राम पंचायतों के सामान्य निर्वाचन 2026 के पश्चात संघठित की जाने वाली नयी ग्राम पंचायतों की प्रथम बैठक के लिए नियत की जानी वाली तिथि तक अथवा अधिकतम छह माह की अवधि के लिए जो भी पहले हो, निवर्तमान ग्राम प्रधानों को सम्यक विचारोपरान्त ग्राम पंचायतों में प्रशासक के रूप में नियुक्त किये जाने का निर्णय लिया गया है। ग्राम पंचायतों की कार्यकाल की तिथि 26 मई के उपरान्त 27 मई से निवर्तमान ग्राम प्रधानों को ग्राम पंचायतों में प्रशासक के रूप में सामान्य कार्यों का निर्वहन किये जाने को नामित किये जाने के लिए सम्बन्धित जिले के जिलाधिकारी को प्राधि.त किया गया है। शासनादेश के क्रम में जनपद में ग्राम पंचायतों के कार्यकाल समाप्ति की तिथि के उपरान्त निवर्तमान ग्राम प्रधानों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत में प्रशासक के रूप में सामान्य कार्यों के निर्वहन किये जाने को ग्राम पंचायतों के सामान्य निर्वाचन 2026 के पश्चात् संघठित की जानी वाली नयी ग्राम पंचायतों के लिए प्रथम बैठक के लिये नियत की जाने वाली तिथि तक अथवा अधिकतम छह माह की अवधि के लिए जो भी पहले हो, नामित किया जाता है। प्रशासक द्वारा कोई नीति विषयक निर्णय नहीं लिया जायेगा। ग्राम पंचायत के प्रशासक द्वारा अत्यावश्यक एवं विशेष स्थितियों में नीति विषयक निर्णय सम्बन्धी प्रस्ताव जिला पंचायतराज अधिकारी के माध्यम से उनके समक्ष प्रस्तुत कर स्वी.ति प्राप्त की जायेगी।

पेयजल संकट बर्दाश्त नहीं, 24 घंटे में दुरुस्त हों खराब हैंडपंप : सीडीओ

चित्रकूट। कलक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल की अध्यक्षता में तहसील मानिकपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मानिकपुर तहसील के समस्त ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सीडीओ ने रिबोर कार्य में हो रहे विलंब पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब रिबोर के लिए बजट उपलब्ध है तो कार्य में शिथिलता क्यों बरती जा रही है। उन्होंने निर्देशित किया कि वर्तमान भीषण गर्मी को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में जो भी हैंडपंप खराब हैं उन्हें 24 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से क्रियाशील किया जाए। पाठा क्षेत्र की आठ चिन्हित ग्राम पंचायत जहाँ वर्तमान में टैंकरों से पानी भेजा जा रहा है वहाँ जल जीवन मिशन और टैंकरों के माध्यम से नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सीडीओ ने स्पष्ट किया कि प्रशासन के पास टैंकरों की कोई कमी नहीं है। यदि आवश्यकता पड़े, तो नियमानुसार किराए पर टैंकर लेकर प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल पानी पहुँचाया जाए। जिन क्षेत्रों में भूजल स्तर नीचे जाने के कारण हैंडपंपों ने पानी छोड़ दिया है, वहाँ टैंकर ही एकमात्र विकल्प रहेंगे। प्रमुख बाजार चौराहों पर आम जनता के लिए प्याऊ की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सचिवों को निर्देशित किया गया कि वे आम जनता के फोन कॉल अनिवार्य रूप से अटेंड करें और उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण करें। कहा कि कलक्ट्रेट में पेयजल से जुड़ी शिकायतें प्राप्त होना चिंताजनक है। इससे जनपद की आईजीआरएस रैंकिंग प्रभावित होती है। शिकायतों का निस्तारण ग्राम स्तर पर ही होना चाहिए। अधिशासी अभियंता जल संस्थान द्वारा मानिकपुर में नियमित जलापूर्ति की बात कहे जाने पर सीडीओ ने संबंधित अवर अभियंता को प्रतिदिन क्षेत्र में रहकर निरीक्षण करने और जनता के बीच उपलब्ध रहने के निर्देश दिए।

'बैठक में बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए ग्राम पंचायत सचिव करौंहा के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए बीडीओ मानिकपुर को तत्काल प्रभाव से संबंधित सचिव का वेतन रोकने के निर्देश दिए। पेयजल आपूर्ति के साथ गांवों में स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी भी तय की गई। सचिवों को निर्देशित किया गया कि वे गांवों में नियमित साफ सफाई का भौतिक निरीक्षण सुनिश्चित करें।

ऋषिकेश में नहाते समय गंगा में बहा मेरठ का युवक

मेरठ(आरएनएस)। उत्तराखंड के ऋषिकेश में थाना लक्ष्मणझूला क्षेत्र के अंतर्गत सिंगटाली झूला पुल के पास गंगा नदी में स्नान के दौरान जंगेठी कंकरखेड़ा निवासी नरेश उपाध्याय (42) और सरायलाल देहली गेट निवासी ऋतु (30) पानी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गए।दोनों को आंखों के सामने डूबता देख मौके पर मौजूद उनके साथियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और सर्च ऑपरेशन शुरू किया लेकिन देर रात तक दोनों का कोई सुराग नहीं लग सका। नरेश टीपी नगर वार्ड–51 से भाजपा पार्षद राजेंद्र उपाध्याय के साले हैं। जानकारी के अनुसार सदर थाना क्षेत्र के आबूलेन स्थित दास हुंडई शोरूम में नरेश उपाध्याय, ऋतु, नितिन, निक्की, मनीष और पायल काम करते हैं। बृहस्पतिवार को ईद की छुट्टी होने के चलते इन सभी ने सुबह के समय दो कारों से ऋषिकेश घूमने का कार्यक्रम बनाया था और वे घर से निकले थे। दोपहर करीब 1रू15 बजे सभी लोग सिंगटाली बाजार में अपनी कार पार्क करने के बाद झूला पुल पार कर गंगा किनारे स्नान करने पहुंचे। नहाने के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ जाने से भाजपा नेता का साला और युवती तेज बहाव की चपेट में आ गए।हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की ढालवाला और ब्यासी टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। टीमों ने बिना वक्त गंवाए नदी में सर्च अभियान शुरू किया। एसडीआरएफ निरीक्षक कविंद्र सजवाण ने बताया कि पानी का बहाव तेज होने के कारण विशेष गोताखोरों की मदद ली जा रही है और लगातार तलाश की जा रही है। हालांकि देर शाम तक दोनों का कुछ पता नहीं चल सका।

नरेश को बचाने के चक्कर में बही ऋतुसाथी कर्मचारी नितिन ने बताया कि गंगा किनारे नहाने के दौरान अचानक नरेश उपाध्याय का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी की ओर बहने लगे। उन्हें डूबता देख पास में ही नहा रही ऋतु ने अपनी जान की परवाह न करते हुए नरेश को बचाने के लिए उनका हाथ पकड़ लिया। मगर पानी का बहाव इतना तेज था कि दोनों ही संभल नहीं पाए और देखते ही देखते तेज धारा में बहते चले गए।

भाजपा पार्षद राजेंद्र उपाध्याय ने बताया कि नरेश उनके छोटे साले हैं जो पिछले छह साल से दास हुंडई शोरूम पर कार्यरत थे। नरेश की शादी लगभग 15 वर्ष पूर्व गजरौला के धनौरा गांव निवासी पूजा से हुई थी। उनका एक 13 वर्षीय बेटा देवांश है। नरेश के गंगा में बह जाने की खबर मिलते ही उनके बड़े भाई महेंद्र अपने जीजा व अन्य परिजनों के साथ तुरंत ऋषिकेश के लिए रवाना हो गए।

गांवों की समस्या निदान को स्थापित करें कंट्रोल रूम : डीएम

–गांवों में नियुक्त कर्मियों की रैंडम ली जाएगी उपस्थिति

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल को अवगत कराया कि ग्राम पंचायत बगदरी विकासखण्ड मानिकपुर का भ्रमण कर ग्राम की समस्याओं में पेयजल, साफ सफाई, फील्ड कर्मचारियों की उपस्थिति आदि के बारे में जानकारी की। ग्रामवासियों द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम में किसी सफाईकर्मी की तैनाती नहीं है। जिसके कारण शौचालयों, विद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर साफ सफाई नहीं हो पा रही है। यही स्थिति जनपद के अन्य ग्राम पंचायतों में भी हो सकती है। ऐसे में निर्देशित किया जाता है कि ग्राम पंचायतों की समस्याओं, पेयजल, साफ सफाई, ग्राम पंचायातों में फील्ड कर्मचारियों की उपस्थिति आदि के बारे में जानकारी के लिए जनपद स्तर (विकास भवन) पर कन्ट्रोल रूम स्थापित करते हुए कन्ट्रोल रूम प्रभारी नियुक्त किया जाये। कन्ट्रोल रूम के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों के शिक्षको, सफाई कर्मियों, ग्राम पंचायत सचिवों, पंचायत सहायकों, रोजगार सेवको, आंगनवाडी कार्यकत्री, सहायिकाओं, पीएचसी, सीएचसी के चिकित्सकों एवं एएनएम आदि की रैण्डम आधार पर उपस्थिति प्राप्त की जाये। इसके अलावा ग्राम पंचायतों में संचालित योजनाओं यथा जल जीवन मिशन, नई सड़कों, निर्माणाधीन कार्यो, हैण्डपम्पों, तालाबों आदि के बारे में भी फीड बैंक प्राप्त कर पूर्ण विवरण रजिस्टर में अंकित कराया जाये तथा संबन्धित विभाग के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी जाये।

ट्रेन की चपेट में आई बुजुर्ग महिला की मौत

चित्रकूट। मानिकपुर–सतना रेल मार्ग के कुसमुही रेल लाइन मार्ग पर पटरी पार कर रही एक बुजुर्ग महिला की ट्रेन की टक्कर से मौत हो गई। मारकुंडी थाना क्षेत्र के इटवा डुडैला गांव निवासी राजेश कुमार ने बताया कि मंगलवार की सुबह उसकी मां पिंगिया देवी (65) रेल पटरी पार कर खेत की ओर जा रही थी। तभी ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। मारकुंडी थाना प्रभारी दीपक राय ने बताया कि ग्रामीणों से उनकी शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी है।

बालक के गले में फंसा सिक्का, भर्ती

चित्रकूट। भरतकूप के अकबरपुर निवासी रामनरेश ने बताया कि बुधवार की दोपहर को उसका पुत्र युवराज (13) घर के अन्य सदस्यों के साथ खेल रहा था। इसी बीच दस रुपये का सिक्का उसके गले में चला गया। कुछ देर बाद उसकी हालत खराब हुई तो स्वजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पतल में कुछ ही देर बाद उसे रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि किशोर को बांदा अस्पताल में रखकर इलाज जारी है। आपरेशन कर सिक्का निकालने की तैयारी चल रही है।

रेलवे प्लेटफार्म पर यात्री की मौत

चित्रकूट। चित्रकूटधाम रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर एक यात्री की मंगलवार की शाम को तबीयत खराब हो गई। जानकारी होते ही आरपीएफ टीम पहुंची और उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। डाक्टर ने यात्री को मृत घोषित कर दिया। आरपीएफ प्रभारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि लगभग 65 वर्षीय नागरिक की प्लेटफार्म पर मौत हो गई। उनकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। सब इंस्पेक्टर अजीत कुमार सिंह ने उसकी जेब में चित्रकूट से सासाराम बिहार का सामान्य श्रेणी का टिकट बरामद किया है।

डांटने पर मां-बाप को पीट फंदे पर झूला युवक, मौत

चित्रकूट। शिवरामपुर चौकी के मछरिहा गांव में बुधवार को संदीप कुमार जायसवाल (20) ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पिता अमृतलाल की मजदूरी के तीन हजार रुपये चुराने पर मां–बाप ने डांटा तो उसने गाली देकर माता–पिता को पीट दिया और कमरे में बंद हो गया। मां कलावती ने यूपी 112 बुलाई, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही संदीप फंदे पर लटक गया। कलावती ने बताया कि इकलौता बेटा नशेड़ियों की संगत में था। कई बार समझाया गया। बुधवार सुबह रुपये लौटाने को कहा तो उसने मारपीट कर खुद को बंद कर लिया। दरवाजा तोड़कर पुलिस अंदर पहुंची तो वह मृत मिला। सीएचसी में डॉक्टर ने मृत घोषित किया। चौकी प्रभारी सनी चतुर्वेदी ने बताया कि नशे का आदी था। डांट से क्षुब्ध होकर जान दे दी। शव पोस्टमार्टम को भेजा गया। एक बहन है। मां का रो–रोकर बुरा हाल है।

हत्या से गुस्साए ग्रामीणों ने शव रख लगाया जाम

चित्रकूट। पहाड़ी थाना क्षेत्र के साईंपुर निवासी टाइल्स मिस्त्री बाबूलाल यादव की चाकू से हत्या के बाद बुधवार को परिजनों ने शव पहाड़ी मार्ग पर रखकर जाम लगा दिया। दो घंटे बाद पुलिस के ठोस कार्रवाई व मुआवजे के आश्वासन पर जाम खुला। पुलिस ने दो हत्यारोपी अमन पटेल व गोलू उर्फ चंद्रिका यादव को चाकू समेत गिरतार कर जेल भेजा।

सोमवार रात तीन युवकों ने घर में घुसकर बाबूलाल की हत्या कर दी थी। मंगलवार को अमन, गोलू व राकेश यादव पर रिपोर्ट दर्ज हुई। बुधवार सुबह बड़े बेटे के आने पर अंतिम संस्कार होना था, लेकिन परिजन आरोपियों की गिरतारी, सुरक्षा व मुआवजे की मांग पर अड़ गए। थाना प्रभारी निशिकांत राय ने समझाकर जाम खत्म कराया। पुलिस के मुताबिक, बाबूलाल ने ढाबे पर शराब पिलाने से मना किया तो विवाद हुआ। इसके बाद आरोपियों ने घर जाकर हत्या कर दी। तीसरे आरोपी राकेश की तलाश जारी है।

जनसेवा इंटर कालेज में तीन दिवसीय योग शिविर शुरू

चित्रकूट। पतंजलि महिला योग समिति की ओर से योग दिवस की तैयारियों के तहत शहर में योग शिविर लगाए जा रहे हैं। बुधवार से जनसेवा इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय शिविर शुरू हुआ। समिति प्रमुख मंजू केसरवानी के नेतृत्व में पहले दिन योग प्रशिक्षिका ने ताड़ासन, भुजंगासन, वज्रासन, पश्चिमोत्तानासन व शवासन का अभ्यास कराया। बताया कि नियमित योग से तन, मन स्वस्थ रहता है। महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। ये आसन लचीलापन, शक्ति व मानसिक शांति देते हैं।

अलर्ट संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं प्रधान और सचिव

चित्रकूट। सीडीओ डीपी पाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हीट वेव (लू) के प्रकोप एवं उससे बचाव के प्रबंधों के संबंध में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में सीडीओ ने बढ़ते तापमान और जनसामान्य के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने आम जनमानस से अपील करते हुए कहा कि अत्यंत तीव्र गर्मी को देखते हुए भोजन सुबह के समय ही तैयार कर लें। दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घरों से बाहर निकलने और यात्रा करने से बचें। यदि किसी अनिवार्य कार्यवश बाहर जाना भी पड़े, तो अंगोछे, टोपी या सूती कपड़े से सिर और चेहरा अवश्य ढककर निकलें। हीट वेव (लू) से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि अपने शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखें। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचें। पर्याप्त मात्रा में पानी या ओआरएस पीते रहें। पंचायती राज विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि समस्त ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव यह सुनिश्चित करें कि मौसम विभाग द्वारा जारी होने वाले किसी भी अलर्ट का संदेश तत्काल ग्रामीण क्षेत्रों में जन–जन तक पहुंचे। सूचनाओं का समय पर प्रेषण अत्यंत आवश्यक है ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि को पूर्णतः रोका जा सके।

कांग्रेसियों ने मनाई प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि

चित्रकूट। जिला कांग्रेस कैंप कार्यालय में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाई गई। जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल सहित अन्य कांग्रेसियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, आधुनिक भारत के शिल्पकार एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के सशक्त प्रवर्तक पंडित जवाहरलाल नेहरू के देशहित में किए गए योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। उनकी सोच वैज्ञानिक .ष्टिकोण और संस्थाओं के प्रति प्रतिबद्धता आज भी मार्गदर्शक है। इस मौके पर जिला महासचिव विजयमणि त्रिपाठी, कालीचरण राजपूत, जिला सचिव कार्यालय प्रभारी राजेश सिंह पटेल, अंशु यादव, मनराज सिंह, छोटेलाल आदि कांग्रेसी उपस्थित रहे।

अलग-अलग हादसों में महिला समेत नौ लोग घायल

चित्रकूट। जिले में बुधवार को अलग–अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक महिला समेत नौ लोग घायल हो गए। दो की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। मानिकपुर थाना क्षेत्र के चुरेह कशेरुवा गांव के पास बुधवार दोपहर करीब दो बजे राशन लेकर लौट रहीं महिलाओं से भरा ई–रिक्शा पलट गया। हादसे में सुरतिया, सुशीला, संपत, कलावती, रेखा, बच्ची पत्नी चंद्रपाल व नाबालिग चालक जयवीर पुत्र हरिचंद घायल हो गए। जयवीर का पैर टूट गया, जबकि बच्ची की हालत गंभीर है। दोनों को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया। ग्रामीणों के मुताबिक, क्षमता से अधिक सवारी व राशन लदे होने से रिक्शा असंतुलित होकर पलटा। वहीं, सदर कोतवाली क्षेत्र में बेडीपुलिया के पास कार की टक्कर से बाइक सवार बांदा निवासी शिवप्यारी व लखन लाल घायल हो गए। कार चालक मौके से भाग निकला। पुरानी बाजार चौक पर कार ने बाइक सवार तीन दोस्त विशेष निषाद, शहबाज व बच्चा को टक्कर मार दी। राजापुर के उफरौली में सड़क किनारे खड़े महेश कुमार को बोलेरो ने टक्कर मार दी।

गैंगेस्टर एक्ट के छह दोषियों को सजा, जुर्माना

चित्रकूट। गैंगस्टर के मामले में कोर्ट ने छह अभियुक्तों को 5–5 वर्ष का कारावास व कुल एक लाख 20 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी संगीता सिंह ने बताया कि न्यायालय एएसजे एफटीसी न्यू (डकैती कोर्ट) राममणि पाठक ने थाना मानिकपुर में पंजी.त गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्त सुनील कुमार पुत्र मेवालाल द्विवेदी, फूलचन्द्र दुबे पुत्र ज्वाला प्रसाद दुबे निवासीगण चमरौहा, हरिशंकर पुत्र सुन्दरलाल तिवारी निवासी मऊ गुरदारी, अनिरूद्ध यादव पुत्र माता बदन निवासी गौरिया थाना रैपुरा राधे उर्फ सुबेदार पुत्र मिठाईलाल निवासी सपहा व .भूण्डा उर्फ गोटर पुत्र भैरवा उर्फ भैरो निवासी अहिरा रैपुरा को 5–5 वर्ष का कारावास व 20–20 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

हत्या के प्रयास में अभियुक्त को चार वर्ष की कैद

चित्रकूट। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने हत्या के प्रयास के मामले में दोषी अभियुक्त को चार वर्ष का कठोर कारावास व छह हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।जिला शासकीय अधिवक्ता श्याम सुन्दर मिश्रा ने बताया कि 22 फरवरी को वादिया सीमा देवी पत्नी बुद्धविलाश निवासी नांदिन कुर्मियान ने थाना राजापुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वादिया के अनुसार उसके पुत्र करन गुप्ता उर्फ आशीष के साथ आरोपी ने मारपीट कर जान से मारने की नियत से कुए में धक्का देकर गिरा दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरतार कर न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया था। सत्र परीक्षण के दौरान बचाव एवं अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद दोष सिद्ध होने पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला ने अभियुक्त अभिलाष सिंह पटेल उर्फ लाला पुत्र अनन्त राम पटेल निवासी नादिन कुर्मियान को चार वर्ष का कठोर कारावास व कुल छह हजार रुपए अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

मोहल्ले में पेयजल आपूर्ति कराने की मांग

चित्रकूट। एक तरफ भयंकर गर्मी के प्रकोप से जीवन भयंकर संकट में गुजर रहा है वहीं दूसरी ओर पेय जल सप्लाई की जिम्मेवारी जल संस्थान की होने के बावजूद समुचित सुचार रूप से मुख्यालय स्थित कई मोहल्ले में पेयजल सप्लाई नहीं हो पा रही। जिससे उन मोहल्ले के निवासी आए दिन जल संस्थान कार्यालय के अधिकारियों के चक्कर लगाते घूम रहे हैं। मुख्यालय स्थित जगदीशगंज, द्वारिकापुरी सहज गर्ल्स स्कूल के आसपास की जल सप्लाई एकदम नगणय है। मोहल्ले के गुरु प्रसाद सहित दस लोगों ने जल संस्थान कार्यालय पहुंचकर अधिशासी अभियंता को सौंपे गए पत्र में कहा कि मोहल्ले में पेयजल सप्लाई नहीं हो रही।

होटल में चल रहा था देह व्यापार, पुलिस ने मारा छापा, संचालक समेत चार गिरफ्तार

मेरठ(आरएनएस)। मेरठ के टीपीनगर थाना क्षेत्र में स्थित एक होटल में पुलिस ने छापा मारकर देह व्यापार का खुलासा किया है। पुलिस ने मौके से होटल संचालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि तीन युवतियां भी बरामद की गईं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अनैतिक व्यापार से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार एनएच–58 बाईपास के पास स्थित रूम टू होटल में लंबे समय से अनैतिक गतिविधियां संचालित होने की शिकायत मिल रही थी। बृहस्पतिवार शाम पुलिस टीम ने होटल पर छापा मारा और जांच शुरू की। मौके से दो ग्राहकों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ब्रह्मपुरी निवासी केशव और जानी क्षेत्र के भवी गांव निवासी रोहन चौधरी के रूप में हुई है।

होटल संचालक भी गिरफ्तार

जांच के दौरान पता चला कि पिछले करीब पंद्रह दिनों से होटल का संचालन दौराला क्षेत्र के वलीदपुर गांव निवासी प्रिंस उर्फ रॉयल और खेड़ी गांव निवासी अंकुर सिवाच कर रहे थे। पुलिस ने दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि होटल को तीन महीने पहले किराये पर लिया गया था। प्रिंस होटल के स्वागत कक्ष का काम संभालता था, जबकि अंकुर ग्राहकों और युवतियों को होटल तक लाने तथा सौदा तय कराने का कार्य करता था।

मौके से मिलीं तीन युवतियां

पुलिस को मौके से असम, पश्चिम बंगाल और लखनऊ की तीन युवतियां भी मिलीं। अधिकारियों के अनुसार तीनों बालिग हैं। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने होटल से आपत्तिजनक सामग्री, भुगतान मशीन, चार मोबाइल फोन और नकद राशि भी बरामद की है।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा

क्षेत्राधिकारी ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ अनैतिक व्यापार अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब इस पूरे गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच कर रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिला गंगा समिति, वृक्षारोपण समिति, वेटलैंड समिति तथा पर्यावरण समिति की मासिक बैठक

मेरठ(आरएनएस)। आज विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी डा0 वी0के0 सिंह की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति, जिला वृक्षारोपण समिति, जिला वेटलैंड समिति तथा जिला पर्यावरण समिति की मासिक बैठक आहूत की गई।बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जनपद में पक्षियों के प्राकृतिक प्रवास हेतु वेटलैंडो के संरक्षण तथा नवीन वेटलैंड को चिह्नित करने के निर्देश दिए तथा तालाबों के पुनरुद्धार के लिए कार्ययोजना बनाने की समीक्षा अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं समस्त खंड विकास अधिकारियों के साथ की। गंगा नदी किनारे बन्दे निर्माण का कार्य समय से पूरा करने के लिए सिंचाई विभाग को निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा जिला पंचायती राज अधिकारी को सख्त निर्देश दिए गए की गंगा किनारे गठित ग्राम गंगा समितियां की मासिक समीक्षा बैठक नियमित रूप से आयोजित कराए तथा गंगा किनारे किसी भी प्रकार की समस्या को बैठक के माध्यम से जिला स्तर पर जिला गंगा समिति के समक्ष प्रस्तुत कराएं।बैठक में जनपद में संचालित समस्त सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से निकलने वाले शोधित जल को पुनः उपयोग करने के कार्ययोजना जिला गंगा समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए एमडीए, नगर निगम तथा उत्तर प्रदेश जल निगम नगरी को निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा गंगा में निवास करने वाले जलीय जीवों के सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए भी सख्त निर्देश भी जारी किए गए। गंगा किनारे ग्रामों में गंगा वाटिका स्थापना करने के लिए डीएम द्वारा निर्देश जारी किए गए।इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी द्वारा सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इस वर्ष वृक्षारोपण अभियान के तहत मॉडल साइट तथा समय से गड्ढे खुदान का कार्य करना सुनिश्चित करें।

मुल्लनपुर मे सूर्यवंशी या शुभम गील, कौन पड़ेगा भारी? पिच रिपोर्ट क्या कहती है?

मुल्लनपुर स्थित एमवाईएस इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की पिच जीटी बनाम आरआर क्वालीफायर 2 में बल्लेबाजों के लिए अत्यधिक मददगार रहेगी, जहाँ 240 से अधिक का स्कोर सुरक्षित माना जा रहा है। पहले गेंदबाजी करना आदर्श विकल्प होगा क्योंकि तेज गेंदबाजों को शुरुआती मदद मिल सकती है, हालांकि प्लेऑफ के दबाव में पहले बल्लेबाजी भी आश्चर्यजनक नहीं होगी। यह आईपीएल 2026 का महत्वपूर्ण मुकाबला है।आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद पर शानदार जीत के बाद, राजस्थान रॉयल्स अब क्वालीफायर 2 में गुजरात टाइटन्स से भिड़ेगी। इस मैच का विजेता अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ फाइनल खेलेगा। मुल्लनापुर में होने वाले इस रोमांचक मुकाबले से पहले वैभव सूर्यवंशी चर्चा का विषय बने हुए हैं। पिछले मैच में 15 वर्षीय इस खिलाड़ी ने हैदराबाद के गेंदबाजों की जमकर धुलाई करते हुए सिर्फ 29 गेंदों में 97

रन बनाए। उन्होंने अकेले दम पर विपक्षी टीम को मुकाबले से बाहर कर दिया, जिसके बाद ध्रुव जुरेल ने 50 रन जोड़े और जोफ्रा आर्चर ने नई गेंद से तीन विकेट लेकर कहर बरपाया। इस जीत से राजस्थान का आत्मविश्वास बढ़ा होगा और वे आईपीएल 2022 के फाइनल में गुजरात से मिली हार का बदला लेने के लिए बेताब होंगे। इस बार समीकरण अलग है। शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम अपने शीर्ष तीन बल्लेबाजों पर काफी हद तक निर्भर है और अगर राजस्थान इस चुनौती का सामना करने में कामयाब हो जाता है, तो वह फाइनल में पहुंच सकता है। हालांकि, यह आसान नहीं होगा। साई सुदर्शन और गिल इस सीजन के शीर्ष रन बनाने वाले बल्लेबाजों में से दो हैं और वे खेल पर अपना दबदबा बनाए रखना पसंद करते हैं। जोस बटलर भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से टीम को मजबूती देते हैं, जो सूर्यवंशी की तरह ही विरोधी टीम को मैच में जीत से वंचित कर सकते हैं। गुजरात के पास भी मजबूत गेंदबाजी इकाई है, जिसमें कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान शामिल हैं। अपने दिन गुजरात किसी भी विरोधी टीम को ध्वस्त कर सकता है और इसीलिए वह इस प्रतियोगिता की सबसे सफल टीमों में से एक है। मुल्लनापुर की पिच बल्लेबाजों के लिए बेहद मददगार है। यह एक हाई–स्कोरिंग ग्राउंड है और एलिमिनेटर में पिच का प्रदर्शन सभी ने देखा। पहले गेंदबाजी करना सबसे अच्छा विकल्प होगा और तेज गेंदबाजों को शुरुआत में कुछ मदद मिल सकती है। 240 रनों से ऊपर का स्कोर सुरक्षित माना जा सकता है।

पीवी सिंधु का सिंगापुर ओपन सफर थमा,क्वार्टरफाइनल में विश्व की नंबर 1 एन से यंग ने क्वार्टरफाइनल में हराया

पीवी सिंधु सिंगापुर ओपन के क्वार्टरफाइनल में विश्व की नंबर 1 एन से यंग से 17–21, 14–21 से हारकर बाहर हो गईं। यह 48 मिनट का मुकाबला स्कोर से कहीं ज्यादा प्रतिस्पर्धी था, जिसमें सिंधु की आक्रामक शैली और शीर्ष स्तर पर निरंतरता की चुनौती स्पष्ट दिखी। इस हार के बावजूद, सिंधु ने साबित किया कि वह अभी भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को टक्कर दे सकती हैं। अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का सिंगापुर ओपन सुपर 750 में सफर क्वार्टरफाइनल में विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी एन से यंग के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार के साथ समाप्त हो गया। हालांकि स्कोर 17–21, 14–21 रहा और मैच 48 मिनट में खत्म हुआ, लेकिन यह देखने में जितना लग रहा था उससे कहीं ज्यादा प्रतिस्पर्धी था। इस मैच में सिंधु की आक्रामक खेल शैली और महिला बैडमिंटन के शीर्ष स्तर पर बढ़ती प्रतिस्पर्धा दोनों ही स्पष्ट रूप से दिखाई दीं।सिंधु ने आक्रामक शुरुआत की और अपने शक्तिशाली ओवरहेड शॉट्स और तेज स्मैश से एन से यंग को शुरुआत में ही परेशान कर दिया। उन्होंने 22 और 31 शॉट्स की दो लंबी रैलियां भी सटीक विनर्स के साथ जीतीं, जिससे शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी, जो अपनी असाधारण रक्षात्मक शैली और गति के लिए जानी जाती हैं, कुछ समय के लिए विचलित हो गईं। एक समय सिंधु ने स्कोर 7–7 से बराबर कर दिया और बाद में पहले गेम में कोरियाई खिलाड़ी को कड़ी टक्कर देते हुए अंतर को 14–13 तक कम कर दिया।हालांकि, नेट पर और फ्रंट कोर्ट में बार–बार हुई गलतियों ने सिंधु की लय को तोड़ दिया। शानदार वापसी करते हुए और 19–17 पर 40 शॉट की मैराथन रैली जीतने के बावजूद, सिंधु ने अंततः पहला गेम गंवा दिया जब उनका शॉट लंबा चला गया, जिससे एन ने गेम अपने नाम कर लिया। भारतीय

शटलर सिंधु के लिए दूसरा गेम मुश्किल से शुरू हुआ, क्योंकि एन ने 6–0 की बढ़त बना ली। सिंधु ने कुछ हद तक वापसी की और अंतर को 7–9 तक कम कर दिया, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने मध्यांतर तक अपना दबदबा बनाए रखा। एक विवादित नेट कॉल के बाद कुछ देर के लिए तनाव भी पैदा हुआ, हालांकि इससे खेल की गति पर कोई खास असर नहीं पड़ा। धीरे–धीरे गलतियां होने लगीं और सिंधु का प्रतिरोध कमजोर पड़ने लगा, जबकि एन ने संयम बनाए रखते हुए सीधे गेमों में आसानी से मैच जीत लिया। हार के बावजूद, 48 मिनट के इस मुकाबले ने दोनों खिलाड़ियों के बीच की कड़ी टक्कर को बखूबी दर्शाया। इस हार के साथ ही अन से यंग ने सिंधु के खिलाफ अपने मुकाबलों में नौवीं जीत दर्ज की।

अनिल कुंबले की बड़ी भविष्यवाणी, आईपीएल 2026 क्वालीफायर 2 में आरआर का पलड़ा भारी! वैभव होंगे गेमचेंजर?

अनिल कुंबले ने आईपीएल 2026 क्वालीफायर 2 में राजस्थान रॉयल्स (त्त) को गुजरात टाइटन्स (ळज) के खिलाफ श्अंडरडॉगश मानते हुए जीत का समर्थन किया है। उन्होंने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लगातार बेहतरीन प्रदर्शन और ऑरेंज कैप धारक होने को आरआर की सफलता की कुंजी बताया। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि राजस्थान रॉयल्स (आरआर) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 क्वालीफायर 2 में कमजोर टीम के रूप में उतर रही है, जबकि उन्होंने शुक्रवार को न्यू चंडीगढ़ में गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ उनकी जीत का समर्थन किया है। रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में गुजरात और राजस्थान क्वालीफायर 2 में मौजूदा चौंपियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ जगह बनाने के लिए भिड़ेंगे।नॉकआउट मुकाबले से पहले जियोहॉटस्टार पर बोलते हुए कुंबले ने माना कि इस मुकाबले के नतीजे का अनुमान लगाना मुश्किल है, लेकिन उन्होंने कहा कि राजस्थान के हालिया प्रदर्शन ने उन्हें कमजोर माने जाने के बावजूद एक खतरनाक टीम बना दिया है। कुंबले ने युवा बल्लेबाज वैभव पर भी विशेष ध्यान दिया, जिनके सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ प्रदर्शन ने काफी प्रभावित किया। जियोस्टार के विशेषज्ञ कुंबले ने कहा कि भविष्यवाणी करना मुश्किल है। यह वाकई मुश्किल है क्योंकि राजस्थान ने अच्छा प्रदर्शन किया है, फिर भी वे कमजोर टीम लग रहे हैं। मुझे लगता है कि मैं कमजोर टीम के साथ जाऊंगा। मुझे अब भी उम्मीद है कि वैभव वही प्रदर्शन करेंगे जो उन्होंने एसआरएच के खिलाफ किया था, क्योंकि अगर वैभव ऐसा करते हैं, तो राजस्थान को फायदा होगा।कुंबले ने आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी के रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। जियोस्टार के विशेषज्ञ कुंबले ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी ऑरेंज

कैप धारक हैं, और यह उपलब्धि उन्हें सिर्फ एक बार या कुछ टीमों के खिलाफ प्रदर्शन से नहीं मिली है। उन्होंने पिछले दो महीनों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, और यह इस युवा खिलाड़ी के बारे में बहुत कुछ बताता है। यह सिर्फ मैदान पर जाकर कुछ छक्के लगाने की बात नहीं है, भले ही वह अब सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हों। अगर वह पावरप्ले में बल्लेबाजी करते हैं, तो आरआर को फायदा होगा। जीटी की एक सुनियोजित योजना है। दिग्गज क्रिकेटर ने अपनी बात समाप्त की कि मोहम्मद सिराज और कागीसो रबाडा तीन–तीन ओवर गेंदबाजी करेंगे, और यहीं से मैच का रुख बदल सकता है। अहमदाबाद में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है, जहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के लिए मददगार होती हैं।

आईपीएल में खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों द्वारा स्मार्ट चश्मों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

बीसीसीआई की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीएसयू) ने आईपीएल में खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों द्वारा स्मार्ट चश्मों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन चश्मों में लाइव स्ट्रीमिंग और संचार की उन्नत सुविधाएं सुरक्षा तथा भ्रष्टाचार–रोधी नियमों के लिए खतरा मानी गई हैं, जिसके चलते इन्हें पीएमओए में प्रतिबंधित किया गया हैय नियम तोड़ने पर जुर्माने और अन्य दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीएसयू) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों द्वारा स्मार्ट चश्मों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। बोर्ड ने इन चश्मों में मौजूद उन्नत संचार सुविधाओं को सुरक्षा और भ्रष्टाचार–रोधी नियमों के लिए खतरा बताया है। बीसीसीआई एसीएसयू ने सभी फ्रेंचाइजी को जारी एक परामर्श में कहा कि

कुछ कंपनियां खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को स्मार्ट चश्मे बेच रही हैं।बीसीसीआई ने कहा, "इन उपकरणों में लाइव स्ट्रीमिंग, टेक्स्ट संदेश भेजने और प्राप्त करने के साथ–साथ मोबाइल डेटा या वाई–फाई के जरिए ऑडियो और वीडियो कॉलिंग जैसी उन्नत संचार सुविधाएं उपलब्ध हैं।" उन्होंने कहा, "पीएमओए (खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों का क्षेत्र) के न्यूनतम मानकों के तहत ऐसे स्मार्ट चश्मों को 'ऑडियोध्वीडियो रिकॉर्डिंग उपकरण' और 'संचार उपकरण' दोनों श्रेणियों में रखा गया है। इसी कारण पीएमओए क्षेत्र में इन्हें रखने या इस्तेमाल करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।" आईपीएल में पहले से ही खिलाड़ियों को निर्धारित पीएमओए क्षेत्रों में मोबाइल या अन्य संचार उपकरणों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है।हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के अधिकारी रोमी भिंडर को टीम डगआउट में मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए कैमरे में पकड़े जाने पर एक लाख रुपये का जुर्माना और चेतावनी दी गई थी। बीसीसीआई ने अपने नवीनतम निर्देश में खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों से कहा है कि वे पीएमओए में प्रवेश करने से पहले स्मार्ट चश्मे भी जमा कराएं।बोर्ड ने नियमों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। बीसीसीआई ने कहा, "सभी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को निर्देश दिया जाता है कि मैच के दिन पीएमओए में प्रवेश करते समय वे अपने मोबाइल फोन और स्मार्टवॉच के साथ ऐसे उपकरण भी सिक्योरिटी लायजन ऑफिसर (एसएलओ) के पास जमा करें।"बोर्ड ने कहा, "कोई खिलाड़ी या स्टाफ सदस्य अगर ऐसे उपकरण जमा नहीं करता है, तो इसे पीएमओए प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना जाएगा और आईपीएल 2026 के न्यूनतम मानकों के तहत उस पर जुर्माना या अन्य दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।"आईपीएल के इस सत्र में आचार संहिता उल्लंघन की कई घटनाएं सामने आने के बाद बीसीसीआई पहले ही सख्त दिशा–निर्देश जारी कर चुका है। इसके तहत खिलाड़ियों के बिना अनुमति देर रात बाहर जाने पर रोक लगा दी गई है।

अब यूपीआई से सीधे बैंक खाते में आएगा पीएफ का पैसा, ईपीएफओ 3.0 की टेस्टिंग पूरीय जानें कितना अमाउंट निकाल पाएगे आप

नई दिल्ली , कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (श्वक्कस्न्द्ब) अपने सब्सक्राइबर्स के लिए एक बेहद क्रांतिकारी और हाईटेक डिजिटल प्लेटफॉर्म 3.0 लॉन्च करने की पूरी तैयारी कर चुका है। इस नए सिस्टम के लाइव होने के बाद पीएफ (क्कस्न) सदस्यों को अपने फंड तक बेहद तेज और आसान पहुंच मिलेगी। सबसे बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव यह होने जा रहा है कि अब पीएफ सदस्यों को यूपीआई के माध्यम से सीधे अपने बैंक अकाउंट में पीएफ का पैसा ट्रांसफर करने की आधुनिक सुविधा मिलेगी। इस कदम से न केवल कागजी कार्रवाई खत्म होगी, बल्कि क्लेम प्रोसेसिंग का समय भी घटकर चंद मिनटों का रह जाएगा। हालांकि, इस बेहद सुविधाजनक अपडेट के बीच देश के 7 करोड़ से ज्यादा ईपीएफओ सदस्य इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि वे नए नियमों के तहत अपने अकाउंट से अधिकतम कितनी राशि निकाल सकते हैं और क्या पूरा पैसा एक बार में निकाला जा सकता है? आइए जानते हैं ईपीएफओ 3.0 के तहत निकासी के नए और सटीक नियम क्या हैं।क्या अकाउंट से निकाला जा सकता है पूरा पैसा? प्रस्तावित ईपीएफओ 3.0 के तहत, तय नियमों और शर्तों के आधार पर सब्सक्राइबर्स को यूपीआई या यूपीआई–इनेबल्ड एटीएम के माध्यम से अपने कुल ईपीएफ फंड का 50 प्रतिशत से लेकर 75 प्रतिशत तक ही निकालने

की अनुमति दी जाएगी। ईपीएफओ सामान्य परिस्थितियों में रिटायरमेंट से पहले पूरी राशि निकालने की इजाजत नहीं देता है और आगे भी पूरा अमाउंट एक साथ मिलने की उम्मीद नहीं है। इसके पीछे मुख्य वजह यह है कि पीएफ का एक हिस्सा अनिवार्य रूप से भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता है, ताकि रिटायरमेंट के बाद कर्मचारी का बुढ़ापा आर्थिक रूप से सुरक्षित रह सके।ईपीएफओ 3.0 के तहत निकासी के मुख्य नियम

अनिवार्य न्यूनतम शेष राशि नए नियमों के मुताबिक, किसी भी आपात स्थिति में डिजिटल विड्रॉल करते समय ईपीएफ खाते में जमा कुल राशि का कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा अनिवार्य रूप से खाते में ही छोड़ना होगा। इस नियम का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आपकी भविष्य की बचत पूरी तरह से शून्य न हो जाए।ऑटोमैटिक सेल्फ सेटलमेंट लिमिट बढ़ीरू ईपीएफओ ने एडवांस क्लेम (अग्रिम दावों) के लिए श्सेल्फ सेटलमेंट्य की सीमा को 1 लाख रुपये से सीधे बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। इसका सीधा मतलब यह है कि अगर आपका पात्र दावा 5 लाख रुपये तक का है, तो वह बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के बेहद कम समय में ऑटोमैटिक तरीके से पास होकर आपके खाते में आ जाएगा।केवल इन विशेष परिस्थितियों में ही निकाल सकेंगे एडवांस फंडयूपीआई आधारित इस डिजिटल सुविधा के जरिए आप जब चाहें तब पैसा नहीं निकाल पाएंगे। इसके लिए विभाग ने कुछ विशेष और आपातकालीन परिस्थितियां तय की हैं। सदस्य केवल मेडिकल इमरजेंसी (स्वास्थ्य संकट), बच्चों की हायर एजुकेशन (उच्च शिक्षा), खुद की या भाई–बहन / बच्चों के विवाह के खर्चे, और नया घर खरीदने या बनवाने जैसी जरूरी आवश्यकताओं के लिए ही इस फंड को एडवांस के रूप में निकाल सकेंगे।केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान देश को खुशखबरी देते हुए बताया कि यूपीआई आधारित इस विड्रॉल सिस्टम की तकनीकी टेस्टिंग का काम सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि परीक्षण के दौरान सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित और सटीक पाया गया है, जिसके माध्यम से निकाला गया पैसा सीधे सदस्य के लिंक बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाता है।

युवा वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को सुनील गावस्कर का आशीर्वाद टीम इण्डिया में जल्द डेब्यू!

आईपीएल में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के सनसनीखेज प्रदर्शन, जिसमें उन्होंने 29 गेंदों में 97 रन बनाए, ने क्रिकेट जगत को चौंका दिया है। महान सुनील गावस्कर ने उन्हें श्लगे रहो बेटे, लगे रहोश का संदेश देते हुए उनकी युवा प्रतिभा की सराहना की और उन्हें भारतीय टीम में तत्काल डेब्यू कराने की जोरदार वकालत की। गावस्कर का मानना है कि वैभव टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह तैयार हैं और 2026 उनके लिए एक यादगार वर्ष साबित होगा।

राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंदों में 97 रन बनाकर पूरे क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया। लेकिन मैच शुरू होने से ठीक पहले, सूर्यवंशी ने महान सुनील गावस्कर के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। इस किशोर खिलाड़ी को बड़ों के पैर छूने की आदत पड़ गई है, जो भारतीय संस्कृति में एक गहरी परंपरा है। हालांकि सूर्यवंशी गावस्कर से लंबी बातचीत के लिए उपलब्ध नहीं थे, फिर भी गावस्कर ने अपना संदेश इस युवा खिलाड़ी तक पहुंचा दिया।इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में गावस्कर ने बताया कि मुल्लनपुर में मैच से पहले हुए कार्यक्रम के दौरान जब राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज सूर्यवंशी ने उनके पैर छुए, तो उन्होंने उन्हें क्या संदेश दिया। गावस्कर ने कहा कि मैं उनसे वही कहूंगा जो मैंने उनसे कल मैच से ठीक पहले कहा था, जब वे मैदान पर कार्यक्रम कर रहे थे। जब वे आए और उन्होंने मेरे पैर छुए, तो मैंने उनसे बस इतना कहा, श्लगे रहो बेटे, लगे रहो।श

और अगर मैं उनके साथ दूसरे छोर पर बल्लेबाजी कर रहा होता, तो मैं उनसे ठीक यही कहता।भारतीय क्रिकेट के दिग्गज गावस्कर, लाखों भारतीयों की तरह, वैभव सूर्यवंशी के प्रशंसक बन गए हैं। हालांकि इस बात पर राय बंटी हुई है कि क्या लड़के को भारतीय टीम में जल्द से जल्द शामिल किया जाना चाहिए, गावस्कर चाहते हैं कि उसे जल्द से जल्द डेब्यू का मौका दिया जाए। गावस्कर ने यूट्यूब शो श्स्पोर्ट्स तकश में कहा कि 2026 वैभव सूर्यवंशी वर्ष के रूप में याद किया जाएगा। वह (सूर्यवंशी) टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए उसका चयन होगा। मेरा मतलब है कि इस शानदार प्रदर्शन के बाद वह चयन का हकदार है।

पेंशन से जुड़े नियम में बदलाव कर सकती है मोदी सरकार? केंद्रीय कर्मचारियों पर बड़ा असर

नई दिल्ली । केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए आने वाले समय में बड़ी राहत की खबर सामने आ सकती है। आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे लाखों कर्मचारियों के बीच अब पेंशन व्यवस्था में बड़े बदलाव की चर्चा तेज हो गई है। माना जा रहा है कि सरकार कर्मचारियों को अपनी पसंद के अनुसार पेंशन विकल्प चुनने की सुविधा देने पर विचार कर रही है।

पेंशन सिस्टम में बदलाव की तैयारी?

मीडिया रिपोर्ट्स और कर्मचारी संगठनों के सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार ऐसी नई व्यवस्था पर मंथन कर रही है जिसमें कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पेंशन को लेकर अधिक विकल्प और सुरक्षा मिल सके। हालांकि अभी तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन कर्मचारी यूनियनों का दावा है कि आने वाले कुछ महीनों में इस दिशा में अहम फैसला लिया जा सकता है।

फिलहाल 1 जनवरी 2004 के बाद नियुक्त अधिकांश केंद्रीय कर्मचारी नेशनल पेंशन सिस्टम के तहत आते हैं। इस योजना में कर्मचारी और सरकार दोनों योगदान करते हैं, जबकि रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पेंशन बाजार आधारित निवेश और रिटर्न पर निर्भर रहती है। इसके पहले पुरानी पेंशन योजना लागू थी, जिसमें कर्मचारियों को अंतिम वेतन और महंगाई भत्ते के आधार पर निश्चित पेंशन की गारंटी मिलती थी। वहीं हाल ही में सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम (क्कर्स) लागू की, जिसमें ह्वक्कस् और ह्वक्कस् दोनों की विशेषताओं को शामिल करने की कोशिश की गई है।

कर्मचारियों की क्या मांग है?

कर्मचारी संगठन लगातार मांग कर रहे हैं कि कर्मचारियों को ह्वक्कर्स, ह्वक्कस् और क्कस् जैसे विकल्पों में चयन की स्वतंत्रता दी जाए, ताकि उन्हें भविष्य को लेकर अधिक भरोसा और आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 30 मई 2026
sheelshukla100@gmail.com

दवाइयां हुई फेल तो टीवी एक्ट्रेस नारायणी शास्त्री के काम आया योग, रात का अनुभव किया शेयर

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री नारायणी शास्त्री ने गुरुवार को अपनी सेहत से जुड़ा बड़ा अपडेट दिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर बताया कि रात को उतनी तबीयत अचानक इतनी खराब हो गई थी, जिससे उन्हें आधी रात में अस्पताल जाना पड़ा। वीडियो में अभिनेत्री बताती हैं कि रात करीब 2 बजे उनके पेट में असहनीय दर्द शुरू हो गया। शुरू में, तो उन्हें लगा कि यह सिर्फ गैस की सामान्य समस्या है, लेकिन दिक्कत ज्यादा बढ़ी, तो उन्हें अस्पताल जाना पड़ा। वीडियो में नारायणी शास्त्री कहती हैं, पिछली रात मेरे लिए बहुत भयावह थी। रात करीब 2 बजे मेरे एब्डोमेन में बहुत तेज दर्द शुरू हो गया था। पहले तो मुझे लगा कि ये मामूली–सा गैस का दर्द है, लेकिन दर्द किसी एक खास जगह पर नहीं था, बल्कि पूरे पेट के हिस्से में हो रहा था, इसलिए मैंने पुदीना, अजवाइन और जो कुछ भी मेरे पास था, सब आजमाकर देखा, लेकिन दर्द बढ़ता ही जा रहा था। फिर मेरे पति टोनी मुझे तुरंत अस्पताल ले गए। उन्होंने बताया, दर्द इतना हो रहा था कि मैं लोट–पोट हो रही थी। मुझे चक्कर भी आ रहा था। डॉक्टर ने तुरंत मुझे पेनकिलर दी। मेरे सीटी स्कैन और ब्लड टेस्ट की सभी रिपोर्ट सामान्य आईं, किसी तरह की कोई समस्या नहीं मिली। इसके बाद जब मैं घर लौटी, तो सोचने लगी कि आखिर परेशानी की वजह क्या हो सकती है। मुझे लगा कि शायद मेरी नाभि खिसक गई है। फिर मैंने कुछ योग अभ्यास किए और अब मैं काफी बेहतर महसूस कर रही हूं। योग की जय हो।

नारायणी शास्त्री पिछले दो दशकों से मनोरंजन जगत का हिस्सा रही हैं।

एक्टर होना हर बार नई दुनिया में कदम रखने जैसा है, सोनाक्षी सिन्हा ने बताई अभिनय की खूबसूरती

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की हाल ही में रिलीज हुई ओटीटी फिल्म सिस्टम को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसी बीच, फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय और अपने किरदार को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि एक अभिनेता का काम बाहर से देखने में जितना आसान लगता है, असल में उतना ही मुश्किल होता है। से बात करते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, जब कोई एक्टर किसी नए किरदार को निभाता है, तो वह उसकी पूरी दुनिया में कदम रखता है। हर फिल्म और हर रोल एक अलग जिंदगी की तरह होता है, जिसमें नियम, रिश्ते और परिस्थितियां बिल्कुल नई होती हैं। मुझे अभिनय हमेशा रोमांचक लगता है, क्योंकि हर बार कुछ नया सीखने और महसूस करने का मौका मिलता है। सोनाक्षी ने कहा कि किसी भी प्रोफेशन को बाहर से देखकर पूरी तरह समझना मुश्किल होता है। जैसे वकील या डॉक्टर की दुनिया को समझना आसान नहीं होता, वैसे ही फिल्म इंडस्ट्री के अंदर क्या होता है, यह सिर्फ वही लोग जानते हैं जो खुद उस प्रक्रिया का हिस्सा रहे हों। लोग अक्सर सोचते हैं कि फिल्में सिर्फ ग्लैमर और कैमरे तक सीमित होती हैं, लेकिन असल में एक फिल्म के पीछे बहुत सारे लोग, मेहनत और तैयारी होती है, जो मिलकर एक कहानी को आकार देती है।

फिल्म सिस्टम में सोनाक्षी सिन्हा एक वकील का किरदार निभा रही हैं, जिसका नाम नेहा राजवंश है। उसके पिता रवि राजवंश उन्हें खुद को साबित करने की चुनौती देते हैं और सामने एक शर्त रखते हैं, जिसमें 10 केस जीतने की बात कही जाती है। इस शर्त को पूरा करने के लिए वह हाई–प्रोफाइल केस लड़ती हैं। इस दौरान उसकी मुलाकात अभिनेत्री ज्योतिका के किरदार सारिका रावत से होती है। वह एक स्टेनोग्राफर हैं। फिल्म सिस्टम को पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बालिगा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

डार्क किरदार पर ईशा सिंह बोलीं, कैमरे के पीछे आन और आफ होना आना चाहिए

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री ईशा सिंह आगामी फिल्म ऑब्सेस की रिलीज को लेकर तैयार हैं। डार्क और सस्पेंस से भरपूर ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है। साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में डार्क किरदार को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि एक एक्टर को पता होना चाहिए कि कब किरदार में रहना है और कब उससे बाहर निकलना है। अभिनेत्री ने से बातचीत में बताया, एक एक्टर के तौर पर आपको यह अच्छी तरह पता होना चाहिए कि कैमरे के सामने कब किरदार में आना है (ऑन होना) और शॉट खत्म होने पर कब उससे बाहर निकलना है (ऑफ होना)। हां, यह सच है कि कुछ किरदार निभाते समय आप बहुत गहराई में चले जाते हैं लेकिन किस्मत से हमारी फिल्म के सेट का माहौल बहुत ही सकारात्मक और मददगार था। आसपास के लोग लगातार मेरा ख्याल रख रहे थे, जिसकी वजह से यह किरदार मुझ पर भावनात्मक रूप से भारी नहीं पड़ा।आज के समय में बढ़ते टॉक्सिक अटैचमेंट और जुनूनी व्यवहार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि सोशल मीडिया आने से पहले भी समाज में इस तरह के जुनूनी लोग मौजूद थे। उन्होंने कहा, फर्क बस इतना है कि अब सब कुछ बहुत जल्दी दिखाई देने लगता है क्योंकि हर किसी के पास फोन है और जानकारी तुरंत फैल जाती है। सोशल मीडिया के पॉजिटिव और नेगेटिव, दोनों पहलू हैं। ऑब्सेस के बारे में मुझे जो बात सबसे ज्यादा पसंद आई, वह यह है कि इसकी कहानी में कई भावनात्मक परतें हैं। जब दर्शक यह फिल्म देखेंगे, तो वे समझ जाएंगे कि इन विषयों को कितनी गहराई से दिखाया गया है।अपनी बात को रखते हुए अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक पीटर की बात को याद करते हुए कहा, पीटर सर ने एक बार कहा था, हर इंसान के अंदर एक फरिश्ता और एक शैतान, दोनों होते हैं। इनमें से कौन सा पहलू कितना बाहर आता है, यह पूरी तरह से उस इंसान पर निर्भर करता है। अभिनेत्री ने किरदार के भावनात्मक बोझ से पूरी तरह मुक्त होने को जरूरी बताते हुए बताया कि काम के दौरान आप मानसिक रूप से उसी दुनिया में रहते हैं।

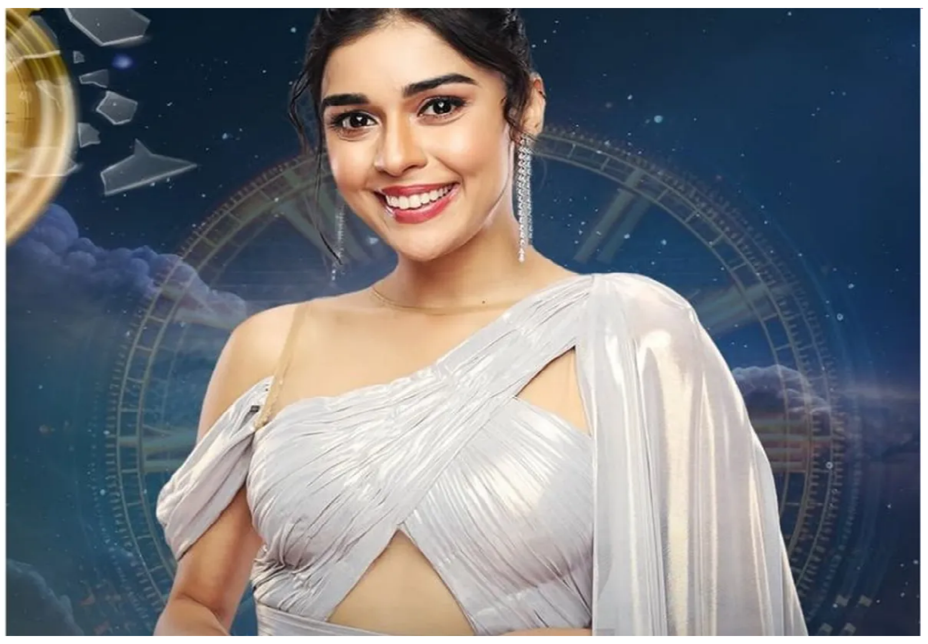

अमर अकबर एंथोनी की रिलीज के 49 साल पूरे, नीतू कपूर ने मनमोहन देसाई का जताया आभार

कुछ फिल्में सिर्फ मनोरंजन नहीं करतीं बल्कि इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाती हैं। एक ऐसी ही सदाबहार ब्लॉकबास्टर फिल्म अमर अकबर एंथोनी 1977 में रिलीज हुई थी, जिसने बुधवार को अपने 27 साल पूरे कर लिए हैं। इस फिल्म के निर्देशक मनमोहन देसाई थे। अभिनेत्री नीतू कपूर ने फिल्म की रिलीज के 49 साल पूरे होने की इंस्टाग्राम पर खुशी जाहिर की। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म का पोस्ट शेयर कर निर्देशक का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, अमर अकबर एंथोनी 27 मई 1977 को रिलीज हुई थी, जिसके लिए निर्देशक मनमोहन देसाई का दिल से शुक्रिया। ब्लॉकबस्टर हिंदी एक्शन–कॉमेडी फिल्म अमर अकबर एंथोनी आज भी उतनी ही पसंद की जाती है, जितनी रिलीज के समय की जाती थी। तीन भाइयों की यह अनोखी कहानी भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी कल्ट क्लासिक और ब्लॉकबस्टर मसाला फिल्मों में से एक है।

फिल्म में नीतू कपूर (नीतू सिंह) ने डॉ. सलमा अली का किरदार निभाया था। वह फिल्म में एक दयालु और समझदार मुस्लिम डॉक्टर की भूमिका में हैं और अभिनेता ऋषि कपूर के साथ उनकी प्रेम कहानी दिखाई गई है।

इस फिल्म में तर्क पर भावना और ड्रामा को प्राथमिकता दी गई। फिल्म में एक्शन, कॉमेडी, रोमांस और शानदार गानों का ऐसा मिश्रण पेश किया गया जिसने बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। फिल्म में विनोद खन्ना (अमर), ऋषि कपूर (अकबर) और अमिताभ बच्चन (एंथोनी) ने मुख्य भूमिका निभाई। यह फिल्म बचपन में बिछड़े तीन भाइयों की कहानी है, जिन्हें तीन अलग–अलग धर्मों के परिवारों ने पाला। अंततरू वे एक साथ मिलकर अपने दुश्मन का पर्दाफाश करते हैं। यह फिल्म अपने शानदार संगीत, एक्शन, कॉमेडी और एकता में अनेकता के संदेश के लिए भारतीय सिनेमा के इतिहास में मील का पत्थर मानी जाती है।

अभिनेत्री नीतू कपूर हाल ही में कॉमेडी–ड्रामा फिल्म दादी की शादी में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन आशीष आर. मोहन ने किया है। फिल्म में नीतू कपूर, कपिल शर्मा और आर. सरथकुमार मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके साथ ही नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी ने इस फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया है

गोवा में समीरा रेड्डी के बगीचे से अर्चना पूरन सिंह ने तोड़े काजू, पति और बेटों संग लिया अनोखे फल का मजा

अभिनेत्री समीरा रेड्डी मुंबई की चकाचौंध से दूर गोवा में रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह अपने परिवार के साथ समीरा रेड्डी के घर घूमने पहुंचीं। इस दौरान अर्चना ने पहली बार काजू के फल का स्वाद चखा। अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अर्चना अपने परिवार के साथ पहली बार काजू का फल चख रही हैं। शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि अर्चना पूरन सिंह पूरे परिवार के साथ समीरा के बगीचे में काजू का फल तोड़ती हैं जबकि समीरा उन्हें इस मजेदार अनुभव के बारे में बताती हैं। वहीं, अर्चना कहती हैं कि ये फल उनकी जिंदगी की खास यादों में एक है। अर्चना के पति परमीत सेठी और उनके बेटे आर्यमन सेठी और आयुष्मान सेठी भी इस पल का एक साथ आनंद लेते हुए दिखाई दिए।अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो शेयर करते हुए, समीरा ने लिखा, हमारे घर पर अर्चना पूरन सिंह ने पहली बार काजू के फल का स्वाद चखा।बता दें कि अभिनेत्री समीरा रेड्डी कोविड–19 महामारी के दौरान मुंबई से गोवा शिफ्ट हो गई थीं, ताकि वे शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर एक शांत जीवन जी सकें। समीरा रेड्डी गोवा में अपने परिवार के साथ एक शांत और प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली जी रही हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए गोवा में बिताए पलों को शेयर करती हैं। हालांकि, अभिनेत्री अपने काम के सिलसिले में मुंबई आती–जाती रही हैं।अभिनेत्री हाल ही में फिल्म आखिरी सवाल में नजर आई थी, जो 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी करते हुए समीरा ने प्रोफेसर पल्लवी मेनन का किरदार निभाया है, जो एक वामपंथी विचारक हैं।इस राजनीतिक ड्रामा फिल्म का निर्देशन अभिजीत मोहन वारंग ने किया है और इसमें समीरा रेड्डी ने एक महत्वपूर्ण नेगेटिव भूमिका निभाई है। फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, नमाशी चक्रवर्ती और अमित साध भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

नेहा धूपिया ने स्वर्ण मंदिर में टेका माथा, अमृतसरी छोले-भटूरे का लिया स्वाद

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में वह पंजाब के अमृतसर पहुंचीं, जहां उन्होंने स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। उन्होंने इस यात्रा की कई तस्वीरें और वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए हैं, जिन्हें उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। नेहा धूपिया ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली तस्वीर स्वर्ण मंदिर की थी। इस तस्वीर में नेहा पवित्र सरोवर के पास खड़ी नजर आ रही है। उन्होंने सिर पर पेस्टल कलर का दुपट्टा ओढ़ रखा है और हाथ जोड़कर श्रद्धा के साथ प्रार्थना करती दिखाई दे रही है। वहीं अन्य तस्वीरों में वह अमृतसर के मशहूर खाने का भी आनंद लेती दिख रही है। एक वीडियो में वह लोकल शॉप पर छोले–भटूरे खाते हुई नजर आ रही है। वीडियो में उनके चेहरे की खुशी साफ बता रही है कि उन्हें पंजाब का यह स्वाद बेहद पसंद आया है। एक दूसरी तस्वीर में वह मजाकिया अंदाज में पोज देती दिख रही है।

इस पोस्ट के साथ नेहा धूपिया ने कैप्शन में लिखा, इस यात्रा की हर बात खास रही। कैप्शन में उन्होंने रेड हार्ट, हाथ जोड़ने और एंजल इमोजी का भी इस्तेमाल किया।यह पहली बार नहीं है जब नेहा किसी धार्मिक जगह पर पहुंची हों। इससे पहले वह वृंदावन गई हैं। वहां उन्होंने सेवा कार्यों में हिस्सा लिया था।अगर नेहा धूपिया के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2002 में मिस इंडिया का खिताब जीतकर ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने फिल्म कयामतरू सिटी अंडर थ्रेट से बॉलीवुड में शुरुआत की। आगे चलकर जूली, क्या कूल हैं हम, शूटआउट एट लोखंडवाला, सिंह इज किंग, चुप चुप के और तुम्हारी सुलु जैसी फिल्मों में काम करके अपनी अलग पहचान बनाई। फिल्मों के अलावा, नेहा टीवी की दुनिया में भी काफी सक्रिय रही हैं। वह कई रियलिटी शो में जज और होस्ट के रूप में नजर आ चुकी हैं। उनका चर्चित चौट शो नो फिल्टर नेहा भी काफी लोकप्रिय रहा।

मैं खुद को बहुत सीरियसली नहीं लेता - सैफ अली खान

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स की फिल्म शकर्तव्यश को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता ने बताया कि मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। से बातचीत में सैफ अपनी 25 साल पुरानी वायरल लाइन मैं गिटार खेलता हूं पर न केवल प्रतिक्रिया दी बल्कि क्लिप को बेहद मजेदार भी बताया। इंटरव्यू के दौरान जब उनके को–स्टार रसिका दुग्गल और मनीष चौधरी से पूछा गया कि सैफ सेट पर भी वन–लाइनर्स देते हैं या नहीं तो रसिका ने उनकी कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, हर समय! वह हर समय खूब मस्ती करने वाले एक्टर्स में से हैं।इस पर सैफ ने कहा, मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। एक बार जब सीन ठीक से कर लेते हैं, उसके बाद थोड़ी मस्ती भी कर सकते हैं।बातचीत के दौरान उन्हें दूरदर्शन पर दिए गए लगभग 25 साल पुराने इंटरव्यू की याद दिलाई गई, जिसमें वह कहते सुनाई देते हैं– मैं गिटार खेलता हूं। यह क्लिप आज भी सोशल मीडिया पर बार–बार वायरल होती रहती है।इस पर सैफ ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मैंने वह क्लिप देखी है। वह मजेदार है, बहुत ही ज्यादा मजेदार। उस क्लिप में हर तरह की चीजें हैं। उन्होंने आगे कहा कि उस इंटरव्यू में कई ऐसी बातें हैं जो अब गैरकानूनी मानी जाएंगी और शायद उस समय भी गैरकानूनी रही होंगी।उसी पुराने इंटरव्यू में सैफ ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों मधुबाला और जीनत अमान की तुलना भी की थी।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।